राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रसारीत

क्रांति समय
SURESH MAURYA
(Chief Editor)
M. 98791 41480
Working. off.: STPI-SURAT, GUJARAT-395023
(Software Technology Park of India, Surat.
www.krantisamay.com
www.krantisamay.in
krantisamay@gmail.com

सुरत–गुजरात, संस्करण सोमवार,20 जुलाई2020 वर्ष–3, अंक –174 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

कर्नाटक में एक दिन में कोरोना के सबसे ज्यादा 4120 मामले दर्ज

बेंगलुरु (एजेसी)। कर्नाटक में रविवार को एक दिन में कोरोना के सबसे ज्यादा 4120 मामले दर्ज किये गए और इस दौरान 91 लोगों की मौत हो गई। इसके साथ ही राज्य में संक्रमितों का 63,772 पहुंच गया है और अब तक1331 लोगों की मौत हो चुकी है। राज्य में अकेले बेंगलुरु से 2156 नए केस सामने आए।

ज्ञात रहे कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री बीएस येदियुरप्पा ने शनिवार को निजी अस्पतालों को निर्देश दिया था कि वे रविवार से प्रभावी होने वाले कोरोना रोगियों के लिए 50 प्रतिशत बेड उपलब्ध कराएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि निजी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों को सहयोग करने की आवश्यकता है, क्योंकि शहर में कोरोना मामलों में तेजी से बढ़ोतरी हो रही है।

बिहार, असम, आंध्र, तेलंगाना, तमिलनाडु, हिमाचल, उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों से मोदी की बाढ़ पर चर्चा

नई दिल्ली (एजेसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार, असम, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, तमिलनाडु, हिमाचल प्रदेश और उत्तराखंड के मुख्यमंत्रियों से बाढ़ की स्थिति पर चर्चा की। इनमें से कुछ राज्य जैसे – असम और बिहार – मानसून के मौसम में वार्षिक बाढ़ से जूझ रहे हैं। असम में 26 जिलों के लगभग 28 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। यहां 1।18 लाख हेक्टेयर खेती योग्य भूमि जलमग्न है क्योंकि ब्रम्हपुत्र नदी राज्य भर में कई स्थानों पर खतरे के निशान से ऊपर बह रही है।

राज्य में 649 राहत शिविरों में लगभग 48,000 लोगों ने शरण ली है। असम के काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में सैंकड़ों वन्यजीवों की मौत हो गई है, वहीं राज्य में बाढ़ से अब तक कम से कम 79 लोग मारे गए हैं।

महाराष्ट्र में नया रिकार्ड, पिछले 24 घंटे में कोरोना के 9518 नए मामले सामने आए

मुम्बई (एजेसी)। कोरोना से सबसे ज्यादा प्रभावित राज्य महाराष्ट्र में पिछले 24 घंटे में कोरोना के 9518 नए मामले सामने आए हैं, जिसके बाद यहां संक्रमितों की कुल संख्या बढ़कर 3,10,455 हो गई है।

यह राज्य में एक दिन में नए मरीजों की सबसे ज्यादा संख्या है। वहीं पिछले 24 घंटे में राज्य में 258 लोगों की जान भी इस खतरनाक वायरस के चलते चली गई जिससे यहां मरने वालों की संख्या 11,854 हो गयी है। अगर केवल मुंबई की बात करें तो यहां पिछले 24 घंटे में 1038 नए मरीज सामने आए, जबकि 64 लोगों की मौत हो गई। मुंबई में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 1 लाख 1 हजार 388 हो गई है और अब तक 5714 लोगों की जान चली गई है।

बंगाल में स्कूली छात्रा की गैंगरेप और हत्या के बाद भड़की जनता ने आगजनी की

कोलकाता (एजेसी)। पश्चिम बंगाल में कोलकाता से लगभग 500 किलोमीटर दूर चोपड़ा में स्कूली छात्रा की कथित तौर पर गैंगरेप और हत्या के बाद आक्रोशित लोगों ने कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। इस घटना में कोलकाता से सिलीगुड़ी को जोड़ने वाले छभ–31 पर रविवार की दोपहर विरोध दर्ज करने के लिए जमा हुए लोग आक्रोशित हो गए और उन्होंने सड़क पर जाम लगा दिया और कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया। लगभग दो घंटे तक पुलिस ने प्रदर्शनकारियों को तितर–बितर करने की कोशिश की, लेकिन लोग उग्र हो गए। इसके बाद पुलिस को लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। पुलिस ने आंसू गैस के गोले भी दागे। प्रदर्शनकारियों ने कम से कम तीन बसों और पुलिस वाहनों को आग के हवाले कर दिया।

पीएम मोदी ने अमेरिकी सांसद जॉन लेविस के निधन पर जताया शोक

नई दिल्ली (एजेसी)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अमेरिकी सांसद जॉन लेविस के निधन पर शोक व्यक्त किया है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक ट्वीट में कहा, 'हम नागरिक अधिकारों, अहिंसा और गांधीवादी मूल्यों के एक अग्रणी हिमायती रहे अमेरिकी सांसद जॉन लेविस के निधन पर शोक व्यक्त करते हैं। नागरिक अधिकारों और मूल्यों के लिए उनके अथक प्रयास हमें सदैव प्रेरित करेंगे।

नई दिल्ली में रविवार को भारी बारिश के कारण मिंटो ब्रिज के नीचे जलभराव में फंसी हुई डीटीसी की बस। (फोटो)

नई दिल्ली में रविवार को तिलक ब्रिज पर मेड़ता रोड के निकट भारी बारिश के कारण जलभराव हो गया। (फोटो)

वायुसेना की बैठक में होगी चर्चा

चीन की सीमा पर लड़ाकू विमान राफेल की तैनात करने की तैयारी

नई दिल्ली (एजेंसी) ।

चीन के साथ जारी तनाव के बीच वायुसेना के शीर्ष कमांडर पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा की स्थिति पर चर्चा करेंगे। इस सप्ताह होने वाली बैठक के दौरान फ्रांस से मिलने वाले राफेल लड़ाकू विमानों की तैनाती और उनके परिचालन को लेकर भी चर्चा की जाएगी। भारतीय वायुसेना के अधिकारियों ने बताया कि शीर्ष कमांडर 22 जुलाई से शुरू होने वाले दो दिवसीय कमांडरों के सम्मेलन में मिलेंगे। एयर चीफ मार्शल आरकेएस भदौरिया की अगुवाई में होने वाले इस सम्मेलन का मुख्य एजेंडा चीन के साथ सीमाओं पर स्थिति होगी। इस बैठक में सातों कमांडर-इन-चीफ भी मौजूद रहेंगे। वायुसेना ने अपने आधुनिक बेड़े में शामिल मिराज 2000, सुखोई-30, और मिग-29 के सभी उन्नत लड़ाकू विमानों को फॉरवर्ड बेस पर तैनात किया है, जहां से वे दिन और रात दोनों समय ऑपरेशन कर रहे हैं। अपाचे अटैक हेलीकॉप्टर को चीन की सीमा के साथ फॉरवर्ड बेस पर तैनात किया गया है और रात के समय भी पूर्वी लद्दाख क्षेत्र पर लगातार उड़ान भर रहे है।

भारतीय वायुसेना के शीर्ष अधिकारी फ्रांस से इस महीने के अंत तक भारत पहुंचने वाले राफेल फाइटर जेट्स की तेजी से तैनाती और संचालन पर भी चर्चा करेगा। अधिकारियों ने कहा कि दक्षिण एशियाई क्षेत्र के सबसे उन्नत जेट अपने प्रतिकूल परिस्थितियों में वायुसेना की ताकत को बढ़ाने जा रहे हैं क्योंकि वे सबसे उन्नत हथियार प्रणालियों से लैस हैं। उन्होंने कहा कि फाइटर जेट्स में भारत स्पेसिफिक एनहांसमेंट के साथ-साथ लंबी दूरी के हथियार जैसे मीटियर एयर टू एयर मिसाइल भारत को चीन और पाकिस्तान के मुकाबलेर बढ़त दिलाएंगे।

भारतीय वायुसेना प्रमुख ने इस परियोजना के लिए भारतीय निगोशिएशन टीम के प्रमुख के रूप में भारत के अब तक के सबसे बड़े रक्षा सौदे में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है, जिसके तहत लगभग 60 हजार करोड़ रुपये के 36 राफेल जेट भारत आएंगे। राफेल के दो स्क्वाड्रन भी भारत को हवाई कातक को बढ़ाने में अहम भूमिका निभाएंगे।

पीएम मोदी ने बाढ़ग्रस्त राज्यों के मुख्यमंत्रियों से की बात,

हरसंभव मदद का दिया भरोसा

नई दिल्ली (एजेंसी):

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों के साथ फोन पर बाचतीच की और बाढ़ के हालातों का जायजा लिया। पीएम मोदी ने असम, बिहार, आंध्र प्रदेश, उत्तराखंड, के मुख्यमंत्रियों के साथ फोन पर चर्चा की। इसके अलावा उन्होंने तेलंगाना, हिमाचल और तमिलनाडु के सीएम से भी बात की। इस दौरान मुख्यमंत्रियों ने प्रधानमंत्री को हालात की जानकारी दी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्यों को हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

सोनोवाल ने ट्वीट कहा, '' प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आज सुबह फोन पर असम में बाढ़, कोविड-19 और बागजान गैस कुएं में लगी आग के बारे में पूरी जानकारी ली। श्री मोदी ने स्थिति पर चिंता जताई और अपनी एकजुटता व्यक्त की। प्रधानमंत्री ने राज्य को हरसंभव सहयोग का आश्वासन दिया।' प्राप्त जानकारी के अनुसार राज्य में बाढ़ जनित घटनाओं में दो और लोगों की मौत हो गई जिससे इस प्राकृतिक आपदा में मरने वाले लोगों की संख्या 107 हो गई है। इनमें से बाढ़ की वजह से 81 लोगों और भूस्खलन के कारण 26 की मौत हुई है। राज्य के 33 जिलों में से 26 जिलों में 27.64 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हुए हैं। बाढ़ के कारण घर क्षतिग्रस्त, फसलें नष्ट और कई स्थानों पर सड़कें और पुल टूट गए। सरकार की तरफ से बताया गया कि इस बार बरसात के मौसम में कांजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 108 पशुओं की जान चली गई। इनमें नौ गैंडे, चार जंगली भैंसे, सात जंगली सुअर, दो बारासिंगा और 82 हिरण शामिल हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को उत्तराखंड के मुख्यमंत्री त्रिवेन्द्र सिंह रावत से फोन पर बात कर राज्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) से संक्रमित पाए गए सैनिकों के बारे में जानकारी ली। मोदी को रावत ने बताया कि सेना से लगातार संपर्क किया गया है और हर आवश्यक सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। उन्होंने राज्य में कोविड-19 की अद्यतन स्थिति की जानकारी देते हुए कहा कि पिछले दिनों कोरोना पाजिटिव मामलों में वृद्धि हुई है परंतु स्थिति नियंत्रण में है। प्रधानमंत्री ने बरसात को देखते हुए राज्य में आपदा प्रबंधन पर भी विशेष ध्यान देने की बात कही। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार से आवश्यकतानुसार हर सहयोग दिया जाएगा। इसके अलावा पीएम मोदी मोदी ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री ई के पलानीसामी से राज्य में कोरोना वायरस (कोविड-19) से निपटने के लिए किए जा रहे उपायों के बारे में बातचीत की। पलानीसामी ने फोन पर हुई बातचीत के दौरान मोदी को बताया कि राज्य में 48 हजार से अधिक परीक्षण किए जा रहे है जो देश में अब तक सबसे अधिक है। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को यह बताया कि राज्य में कोरोना को काबू करने के लिए सरकार पूरी तैयारी के साथ काम कर रही है और सभी तरह के कदम उठाए जा रहे हैं।

मॉनसून और सर्दियों में गिरते तापमान से देश में बढ़ सकता है कोविड-19 संक्रमणः आईआईटी-एम्स

भुवनेश्वर (एजेंसी):

आईआईटी-भुवनेश्वर और एम्स के शोधकर्ताओं द्वारा संयुक्त रूप से किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि मानसून और ठंड में तापमान गिरने पर कोविड-19 संक्रमण के मामले बढ़ सकते हैं। आईआईटी-भुवनेश्वर में स्कूल ऑफ अर्थ, ओसियन एंड क्लाइमेट साइंसेज के सहायक प्रोफेसर वी विनोज के नेतृत्व में किए गए इस अध्ययन के अनुसार बारिश, तापमान में गिरावट और ठंड का मौसम कोविड-19 संक्रमण के प्रसार के लिए अनुकूल हो सकता है।'भारत में कोविड-19 के प्रसार की तापमान और सापेक्षिक आर्द्रता पर निर्भरता' शीर्षक रिपोर्ट में अप्रैल और जून के बीच 28 राज्यों में कोरोना वायरस के प्रकोप और संक्रमण के मामलों की संख्या को ध्यान में रखा गया है। विनोज ने कहा कि अध्ययन में पता चला है कि तापमान में वृद्धि वायरस के प्रसार में गिरावट का कारण बनती है। उन्होंने बताया,'अध्ययन के अनुसार तापमान में एक-डिग्री सेल्सियस की वृद्धि के कारण मामलों में 0.99 प्रतिशत की कमी होती है और मामलों को दोगुना होने का समय 1.13 दिनों तक बढ़ जाता है।% अध्ययन में यह भी पाया गया कि सापेक्ष आर्द्रता में वृद्धि से कोरोना वायरस मामलों की वृद्धि दर कम हो जाती है और दोगुना होने का समय 1.18 दिनों तक बढ़ जाता है।रिसर्च टीम का हिस्सा रहे एम्स भुवनेश्वर के माइक्रोबायोलॉजी विभाग की डॉ बिजयिनी बेहरा ने कहा कि कई अध्ययनों में पता चला है कि तापमान में गिरावट और अपेक्षाकृत कम आर्द्रता ने महामारी को फैलने में सहयोग किया है। हालांकि शोधकर्ताओं ने कहा है कि सटीक नतीजों के लिए अभी और शोध की जरूरत है।

कोरोना के खिलाफ जंग में एकजुट हों सभी लोग : योगी

लखनऊ। कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इस महामारी के खिलाफ जंग में सभी से एकजुटता का आह्वान किया है। राज्य सरकार के प्रवक्ता के मुताबिक मुख्यमंत्री ने रविवार को यहां अपने सरकारी आवास पर एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा कि संक्रमण के खिलाफ जंग में सब को एकजुटता दिखानी होगी।योगी ने कहा कि संक्रमण से जंग के लिए सभी को सामाजिक दूरी का पालन, अनिवार्य रूप से मास्क लगाना, अनावश्यक घर से बाहर न निकलना, भीड़ इकट्ठा न करना जैसे नियमों का निरन्तर अनुपालन स्वयं ही सुनिश्चित करना होगा। यह सब की जिम्मेदारी है।मुख्यमंत्री ने कहा कि कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए सभी जिलाधिकारी, जिला पुलिस प्रमुख, मुख्य चिकित्सा अधिकारी, मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य और नगर आयुक्त नियमित बैठक करके रोकथाम के सम्बन्ध में सकारात्मक कार्रवाई सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जनता को यह बताया जाए कि बहुत आवश्यकता पड़ने पर ही वे घर के बाहर निकलें। बाहर निकलने पर मास्क जरूर लगाएं और सामाजिक दूरी का पालन करें। उन्होंने कहा कि मनरेगा के तहत लोगों को रोजगार मिले, इसके लिए गांवों में मुनादी करवाई जाए, ताकि रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को काम मिल सके। इसके लिए कृषि, सिंचाई, उद्यान आदि विभाग रोजगार देने की कार्ययोजना तैयार की जाए।

कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत के इस्तीफे की मांग की

जयपुर। कांग्रेस ने केन्द्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार को अस्थिर करने के षडयंत्र में शामिल होने का आरोप लगाते हुए रविवार को उनके त्यागपत्र की मांग की । कांग्रेस नेता एवं पूर्व केन्द्रीय मंत्री अजय माकन ने कहा कि राज्य पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पार्टी विधायक भंवरलाल शर्मा, गजेंद्र सिंह और संजय जैन की बातचीत के ऑडियो टेप के संबंध में एक मामला दर्ज किया है।माकन ने कहा, जब गजेंद्र सिंह का नाम एफआईआर में आ गया, जब उनकी आवाज जो कि सब लोग जानते-पहचानते हैं ,उन लोगों ने भी पहचान कर ली तो क्या औचित्य है कि वह अभी भी केन्द्र सरकार में मंत्री पद पर बने हुए हैं? क्या उनको अधिकार है कि अभी भी वह केन्द्र सरकार के मंत्री पद पर बने रहे? उन्होंने कहा कांग्रेस पार्टी इसलिये यह मांग करती है कि गजेंद्र सिंह शेखावत को या तो इस्तीफा देना चाहिए या उनको तुरंत प्रभाव से हटा दिया जाना चाहिए ताकि वह जांच में हस्तक्षेप ना कर सकें।माकन ने कहा दिल्ली की पुलिस और हरियाणा पुलिस भंवर लाल शर्मा और विश्वेन्द्र सिंह का आवाज का नमूना लेने से क्यों रोक रही है। उन्होंने कहा कि जितना आप रोक रहे हो यकीनन लोगों के दिमाग में यह तय होता जा रहा है कि इसके अंदर किसी ना किसी तरह की मिली भगत है और यह इन्हीं की आवाज है और यह धीरे धीरे साबित होता जा रहा है। उन्होंने कहा , क्या केन्द्र सरकार सीबीआई की धमकी इसलिये दे रही है कि इसके अंदर और भी बड़े बड़े लोग शामिल है।

अब अमेरिका में कच्चे तेल के भंडार रखेगा भारत, दोनों देशों के बीच बनी आपसी सहमति

नई दिल्ली (एजेंसी):

भारत की योजना अमेरिका के रणनतिक पेट्रोलियम भंडार में कच्चे तेल का भंडारण करने की है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कच्चे तेल का इस्तेमाल न सिर्फ आपात स्थिति में किया जाएगा, बल्कि किसी तरह का मूल्य लाभ होने पर व्यापार के लिए भी किया जाएगा। भारत और अमेरिका ने 17 जुलाई को आपातकालीन कच्चे तेल भंडारण पर सहयोग के लिए शुरुआती करार किया है। इसमें भारत द्वारा अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करने की संभावना भी शामिल है।

देना होगा किराया

एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, ''यह एक अच्छी अवधारणा है, लेकिन इसके साथ कई शर्तें भी जुड़ी हैं।'' सबसे पहले भारत को अमेरिका में तेल भंडारण के लिए किराया देना होगा। यह किराया कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत के ऊपरी स्तर पर होगा। अधिकारी ने कहा कि इसका दूसरा विकल्प है कि हम अपना रणनीतिक भंडार बनाएं। लेकिन इसमें काफी पूंजी खर्च करनी पड़ेगी और निर्माण में कुछ वर्ष लगेंगे। ऐसे में तत्काल रणनीतिक भंडारण के लिए किराया देना ज्यादा अच्छा विकल्प होगा। अमेरिका में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसआरपी) का निर्माण और रखरखाव निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है। कोई देश अमेरिका में भंडारित तेल का इस्तेमाल खुद की जरूरत या कीमत के मोर्चे पर फायदा होने की स्थिति में व्यापार के लिए कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि यदि कीमतें नीचे आती हैं, तो आपको नुकसान भी होता है। अधिकारी ने बताया कि यदि समुद्री मार्ग बाधित होता है, तो अमेरिका में भंडारण से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ने वाला, क्योंकि आप अपने भंडार का लाभ नहीं ले सकते। ''अमेरिका से कच्चा तेल मंगाने में एक महीने का समय लग जाता है।''

तेल कंपनियों को पहले कपनी होगी पेमेंट

अधिकारी ने कहा कि अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण एक तरह से कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाव के लिए की जाने वाली हेजिंग है। ''सभी तरह की हेजिंग की लागत होती है।'' उन्होंने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि बड़ी मात्रा में भंडारण के लिए कच्चे तेल की खरीद को अग्रिम भुगतान करना होता है। ऐसे में कंपनियों को काफी बड़ी पूंजी 'ब्लॉक' करनी पड़ती है। भारत ने कुछ माह पहले अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करने की संभावना पर विचार शुरू किया था, लेकिन कोविड-19 के बीच मांग में भारी गिरावट के चलते वह इस दिशा में अधिक प्रगति नहीं कर पाया। मांग घटने की वजह से दुनिया भर के भंडारगृह और यहां तक कि जहाजों के भंडार गृह भी पूरी तरह भर गए थे। हालांकि, अब मांग में सुधार हुआ है, लेकिन अभी यह कोविड-19 के पूर्व के स्तर से कम है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

कोविड-19 महामारी

केंद्र सरकार की ओर से बिहार, ओडिशा, बंगाल और असम को कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए नए सिरे से निर्देश दिया जाना यही बताता है कि जो राज्य पहले संक्रमण से कम प्रभावित दिख रहे थे वहां अब हालात चिंताजनक हो रहे हैं। ऐसा लगता है कि इन राज्यों ने समय रहते सही तैयारी नहीं की। यह निराशाजनक है कि अच्छा-खासा समय मिलने के बाद भी देश के कई राज्य कोरोना से निपटने के लिए पर्याप्त तैयारी नहीं कर सके। उन्हें इसी ढिलाई के दुष्परिणाम भोगने पड़ रहे हैं। कम से कम अब तो उन्हें कमर कसनी चाहिए। इसके लिए आवश्यक केवल यह नहीं है कि केंद्र सरकार के निर्देशों का सही तरह पालन हो और इस पर निगाह रखी जाए कि लोग शारीरिक दूरी के प्रति सावधान रहें और मास्क के प्रयोग में लापरवाही न बरतें। आवश्यक यह भी है कि स्वास्थ्य ढांचा सक्षम बना रहे। निःसंदेह कोरोना के खिलाफ जंग में जन सहयोग के बगैर बात बनने वाली नहीं है, लेकिन इसी के साथ यह भी जरूरी है कि राज्य अपने स्वास्थ्य ढांचे को बेहतर बनाने के लिए सक्रिय हों। कम से कम ऐसी व्यवस्था तो की ही जानी चाहिए कि कोरोना मरीजों के उपचार में देरी न हो। यह ठीक नहीं कि चिकित्सकों और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी के मामले सामने आ रहे हैं। चूंकि अब ग्रामीण इलाकों में भी कोरोना वायरस के संक्रमण का खतरा बढ़ गया है इसलिए राज्यों को विशेष सावधानी बरतनी होगी। गांवों तक कोरोना वायरस का संक्रमण फैलने से रोकने के लिए जो भी संभव हो वह युद्ध स्तर पर किया जाना चाहिए। राज्य सरकारों को यह भी समझना होगा कि कोरोना वायरस से उपजी कोविड-19 महामारी की रोकथाम के मामले में केवल लॉकडाउन का सहारा लेना पर्याप्त नहीं है। लॉकडाउन तभी कारगर साबित होगा जब संदिग्ध कोरोना मरीजों के टेस्ट के साथ उन्हें अलग-थलग करने का काम भी सही ढंग से होगा। ऐसा करके ही कोरोना की चपेट में आए लोगों की मृत्यु दर को नियंत्रित रखने में मदद मिलेगी। इस पर विशेष ध्यान देने की जरूरत इसलिए बढ़ गई है, क्योंकि कोरोना की चपेट में आकर मरने वालों की संख्या में वृद्धि होती दिख रही है। यह ठीक नहीं कि कई राज्य एक लाख की आबादी पर कम से कम 14 लोगों के टेस्ट के लक्ष्य को भी पूरा नहीं कर पा रहे हैं। इस लक्ष्य की पूंति में क्या बाधाएं आ रही हैं और उन्हें कैसे दूर किया जाए, इस पर केंद्र सरकार को भी सचेत होना चाहिए। यह समय केवल निर्देश देने का नहीं, बल्कि उन पर अमल कराने का भी है।

आज के ट्वीट

पशुप्रेम

पेटा का झूठा पशुप्रेम जग जाहिर है,क्योंकि बकरीद में लाखों बकरियां,ऊँट तड़पा तड़पा कर मारे जाते हैं तब इनका पशुप्रेम सो रहा होता है,पर जब हिन्दू दो बैलों को प्रतियोगिता में दौड़ा भी दें पेटा का पशुप्रेम हिलोरें लेने लगता है और विरोध करने लगते हैं।-- अर्णव गोस्वामी

अब हिन्दुस्तान की बारी

शशि शेखर

संसार की सबसे पुरानी और ताकतवर सभ्यताएं आम तौर पर तीन वजहों से समाप्त हुईं- महामारी, प्राकृतिक आपदा अथवा परदेसी आक्रमण। भारत इस समय एक ओर चीन में उपजी वैश्विक महामारी और दूसरी ओर, उसकी फौजी टुकड़ियों से एक साथ जूझ रहा है। हिन्दुस्तान पर खत्म होने का खतरा भले न हो, पर यह वक्त सचेत आत्म-चिंतन का है। सिंधु घाटी सभ्यता को याद करें। अपने शानदार नगरों, वास्तु-कला, समुद्री और स्थलीय व्यापार के जरिए ईसा के जनमने से पूर्व हमारे पूर्वजों ने एक अद्भुत सभ्यता का निर्माण किया था, पर वह खत्म हो गई। कुछ विद्वान इसकी वजह प्राकृतिक आपदा, तो कुछ बाहरी आक्रमण बताते हैं। विदेशी आक्रमणों की बात बाद में, पहले हम आपदा की बात कर लें। कोरोना का कहर पूरी शिद्दत से जारी है और लॉकडाउन की मनहूसियत फिर पांव पसारने लगी है। हताशा के इन हतभागी लम्हों में भी सकारात्मकता की कुछ किरणें तलाशी जा सकती हैं। अपने राजनीतिज्ञों को ही लें। कोरोना के हमले के तत्काल बाद जिस तरह सियासी तू-तू, मैं-मैं शुरू हुई थी, उससे चिंतनशील लोग आशंकित हो उठे थे। हमारे देश में जिजीविषा तो बहुत है, परंतु जिंदगी बचाने लायक स्वास्थ्य सुविधाएं आज भी सीमित हैं। ऐसे में, सियासी घमासान भय पैदा करता था कि नेता अपनी विफलता का दोष एक-दूसरे पर मढ़कर अपने दायित्वों से पिंड छुड़ाना चाहते हैं, मगर वे संभल गए। केंद्र के सबसे बड़े आलोचक तीन नेताओं का उदाहरण देता हूं। अरविंद केजरीवाल ने अपने पिछले दो चुनाव घनघोर मोदी लहर में उनका विरोध करके जीते। दिल्ली में जब महामारी पांव पसारने लगी, तब केंद्र और सूबे की सरकार में तकरार चरम पर थी, लेकिन हालात बिगड़ने के साथ ही केजरीवाल और केंद्र के सुर मिलने लगे। गृह मंत्री अमित शाह ने कमान संभाली और कई मौके ऐसे आए, जब अरविंद केजरीवाल ने खुद केंद्र को सहयोग करने के लिए ट्वीट कर धन्यवाद ज्ञापित किया। इसी तरह, शुरुआत में ममता बनर्जी लॉकडाउन लगाने, ट्रेनों के संचालन, केंद्रीय इमदाद आदि मुद्दों पर बेहद मुखर थीं। इधर उनका कोई बयान चर्चा में नहीं है। उद्धव ठाकरे तो कुछ ही दिनों पहले भाजपा से अलग होकर मुख्यमंत्री बने थे। जाहिर है, दोनों पक्षों में निजी तौर पर कड़वाहट थी। 14 अप्रैल को पहले लॉकडाउन के खात्मे के बाद बांद्रा स्टेशन पर हजारों प्रवासी मजदूर इकट्ठा हो गए थे। तब जिस तरह की तकरार शुरू हुई थी, उससे लगा था कि धारावी जैसी झोपड़पट्टियों और माचिस की डिब्बियों जैसे रिहाइशी फ्लैटों वाले इस महानगर में हालात हाथ से निकल गए हैं। यहां भी अमित शाह ने पहल की और दोनों सरकारें एक ही धरातल पर आ खड़ी हुईं। उद्धव के पुत्र और उनकी कैबिनेट के सदस्य आदित्य ठाकरे ने ट्वीट कर कहा- 'केंद्र ने फौरन हालात का संज्ञान लिया और इस मामले में वह राज्य की पूरी सक्रियता के साथ मदद कर रहा है। हम प्रधानमंत्री और गृह मंत्री के आभारी हैं कि उन्होंने हालात को समझा है।' ऐसे ही, केरल में वामपंथियों की सरकार है। वहां की सरकार ने अच्छे कदम उठाए, पर केंद्र के निर्देशों का उल्लंघन करते हुए तमाम होटल और रेस्टोरेंट समय से पहले खोल दिए। नई दिल्ली की आपत्ति के बाद तिरुवनंतपुरम की हुकूमत ने इसे वापस ले लिया। मतलब साफ है, आपदा के मामले में शुरुआती झटकों के बाद हमारे राजनीतिक दलों ने जिस तरह की सकारात्मकता बाद के दिनों में दिखाई है, उससे संविधान की संघीय अवधारणा को मजबूती मिली है। क्या इतना काफी है? यकीनन नहीं। अब वक्त आ गया है, जब भारत महाशक्तियों की तरह सोचना शुरू करे। अभी तक यह बहस खत्म नहीं हुई है कि कोरोना वायरस मनुष्य जनित है या प्राकृतिक? यह खुद फैला या इसे फैलाया गया? भले ही यह प्राकृतिक रहा हो और इसे किसी ने न फैलाया हो, पर एक आशंका तो उभरती ही है कि कल कोई अराजकतावादी सरकार अथवा आतंकवादी गुट ऐसा कर सकता है। भारत को इन स्थितियों के लिए खुद को तैयार करना होगा और इसके लिए जरूरी है कि हम अपनी स्वास्थ्य सेवाओं को मजबूत करें, उसे आम आदमी की पहुंच में लाएं। यह शुभ शकुन है कि वरिष्ठतम पदों पर रहे एन के सिंह की अगुवाई वाले वित्त आयोग ने अगले पांच वर्षों में स्वास्थ्य खर्च में जीडीपी के 2.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी का प्रस्ताव तैयार करना शुरू कर दिया है। अब राज्य सरकारों की बारी है। अब आते हैं बाहरी लड़ाइयों पर। चीनी फौज ने हमारी सीमाओं का अतिक्रमण कर दो बातें साफ कर दी हैं। पहली यह कि हमारा प्रतिरक्षा तंत्र अभी तक आवश्यकता के अनुरूप तैयार नहीं हुआ है। दूसरी, हम भारतीय आसानी से अपनी पराजय भुला देते हैं। इस दुष्प्रवृत्ति को रोकना होगा। पहले बिंदु पर बहुत बात हो चुकी है, इसलिए दूसरे बिंदु को चर्चा के केंद्र में लाना चाहूंगा। हमारी पीढ़ी के जो लोग 1960 के दशक में जन्मे और बड़े हुए, वे शुरुआती दौर में चीन से आशंकित रहते थे। हमें 1962 में अपनी पराजय सालती थी। गलवान घाटी के हादसे ने भी यही साबित किया है कि भले ही आज का भारत 1962 जैसा न हो, पर यह भी सच है कि वह चीन की चुनौतियों से पूरी तरह निपटने में उम्मीद के अनुरूप कामयाब नहीं है। इस स्थिति को बदलने के लिए आवश्यक है कि हम अपने देश के अर्थतंत्र को मजबूत करें। बताने की जरूरत नहीं कि अधिकतर सामरिक अभियान आर्थिक वजहों से प्रेरित होते रहे हैं। आज का आक्रामक चीन अपनी सेना से ज्यादा अर्थ-सत्ता पर इतराता है। बीजिंग का सत्ता-सदन समझता है कि अब वक्त आ गया है कि हम दुनिया में नंबर एक दावेदारी पेश करें, इसलिए वह सिर्फ पड़ोसियों नहीं, अमेरिका तक को आंखें दिखा रहा है। ऐसे में, भारत क्या करे? हमें हर हाल में चीन पर अपनी आर्थिक निर्भरता कम करनी होगी। जिस तरह, 1962 की जंग के घाव भर गए, उसी तरह कूटनीति गलवान के आगे भी कदम बढ़ाएगी, पर भारतीयों को भूलना नहीं चाहिए कि जिंदा कौमें अपनी गलतियां दोहराती नहीं हैं। हमें अपने परंपरागत उद्योग-धंधों को एक बार फिर से खड़ा करना होगा और साथ ही दुनिया के साथ कदम-ताल भी करनी होगी। यह इसलिए भी जरूरी है, क्योंकि कोरोना के बाद हर देश में आव्रजन कानून और सख्त किए जाएंगे। ऐसे में, जब प्रतिभाओं का पलायन कम होगा, तब हम उन्हें अपने ही देश में पुष्पित-पल्लवित होने का मौका मुहैया करा सकते हैं। अमेरिका और पश्चिमी देशों ने 1980 के दशक में सोवियत संघ को नियंत्रित करने के लिए चीन को दुनिया की फैक्टरी बनाया था। आज चीन और रूस मिलकर पश्चिम के ताकतवर देशों से आंखें मिला रहे हैं। भारत के लिए यह सुअवसर है और अब हमें अपने अंदरूनी ढांचे और कौशल को मजबूत कर अगली छलांग की तैयारी करनी होगी। 1980 के दशक में देंग जियाओ पिंग ने यही किया था। आज हमारी बारी है। चीन दुनिया का कारखाना है, तो हम संसार का दफ्तर बन सकते हैं। 'वर्क फॉम होम' के जमाने में यह मुमकिन है। अगर हम ऐसा कर पाते हैं, तो सिंधु सभ्यता के वंशज एक नया इतिहास दर्ज कराएंगे, जो इस बात की मुनादी करेगा कि हमें आपदाओं और आक्रमणों को अवसर में बदलना आता है।

ज्ञान गंगा

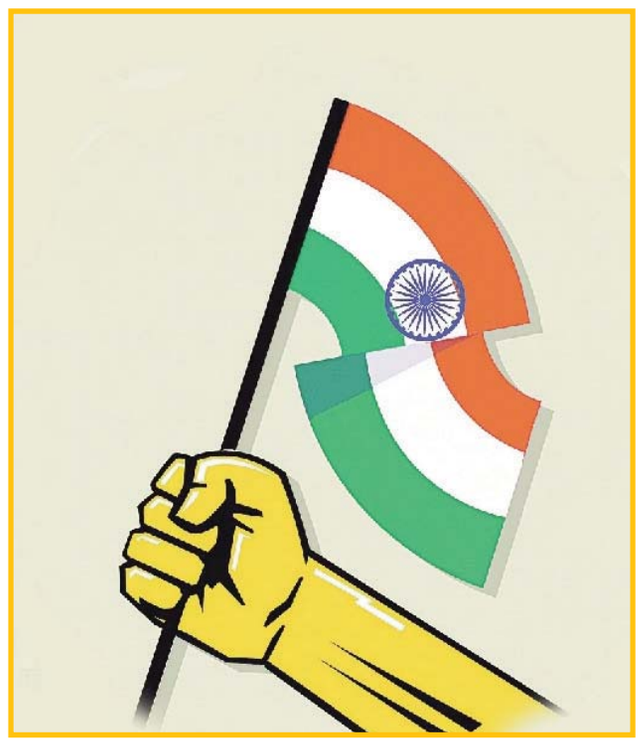

आजादी

श्रीराम शर्मा आचार्य/ एक समय की बात है। एक सेठ और सेठानी रोज सत्संग में जाते थे। सेठजी के घर तोता पाला हुआ था। तोता रोज सेठ-सेठानी को बाहर जाते देख एक दिन पूछता हैं कि सेठजी आप रोज कहां जाते हैं। सेठजी बोले कि भाई सत्संग में ज्ञान सुनने जाते हैं। तोता कहता है सेठजी फिर तो कोई ज्ञान की बात मुझे भी बताओ। तब सेठजी कहते हैं कि ज्ञान भी कोई घर बैठे मिलता हैं। इसके लिए तो सत्संग में जाना पड़ता हैं। तोता कहता है कोई बात नहीं सेठजी आप मेरा एक काम करना। सत्संग जाओ तब संत महात्मा से एक बात पूछना कि में आजाद कब होऊंगा। सेठजी सत्संग खत्म होने के बाद संत से पूछते हैं कि महाराज हमारे घर जो तोता है; उसने पूछा है कि वो आजाद कब होगा? संत को ऐसा सुनते ही पता नहीं क्या होता है वो बेहोश होकर गिर जाते हैं। सेठजी संत की हालत देख कर चुपचाप वहां से निकल जाते हैं। घर आते ही तोता सेठजी से पूछता है कि सेठजी संत ने क्या कहा। सेठजी कहते हैं कि तेरे किस्मत ही खराब है, जो तेरी आजादी का पूछते ही वो बेहोश हो गए। तोता कहता है कोई बात नहीं सेठजी में सब समझ गया। दूसरे दिन सेठजी सत्संग में जाने लगते हैं तब तोता पिंजरे में जानबूझ कर बेहोश होकर गिर जाता हैं। सेठजी उसे मरा हुआ मानकर जैसे ही उसे पिंजरे से बाहर निकालते है तो वो उड़ जाता है। सत्संग जाते ही संत सेठजी को पूछते हैं कि कल आप उस तोते के बारे में पूछ रहे थे ना अब वो कहां है? सेठजी कहते हैं, हां महाराज आज सुबह वो जानबूझ कर बेहोश हो गया मैंने देखा की वो मर गया है इसलिए मैंने उसे जैसे ही बाहर निकाला तो वो उड़ गया। तब संत ने सेठजी से कहा की देखो तुम इतने समय से सत्संग सुनकर भी आज तक सांसारिक मोह-माया के पिंजरे में फंसे हुए हो और उस तोते को देखो बिना सत्संग में आए मेरा एक इशारा समझ कर आजाद हो गया। कहानी से तात्पर्य है कि हम सत्संग में तो जाते हैं ज्ञान की बाते करते हैं या सुनते भी हैं, पर हमारा मन हमेशा सांसारिक बातों में ही उलझा रहता हैं। सत्संग में भी हम सिर्फ उन बातों को पसंद करते हैं, जिसमें हमारा स्वार्थ सिद्ध होता हैं। जबकि सत्संग जाकर हमें सत्य को स्वीकार कर सभी बातों को महत्त्व देना चाहिए और जिस असत्य, झूठ और अहंकार को हम धारण किए हुए हैं उसे साहस के साथ मन से उतार कर सत्य को स्वीकार करना चाहिए।

आज का राशिफल

मेष पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। भाई या पड़ोसी से तनाव मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

वृषभ जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। आर्थिक तथा व्यावसायिक योजना सफल होगी। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मिथुन पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। किसी बहुमूल्य वस्तु के पाने की अभिलाषा पूरी होगी। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

कर्क बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। व्यावसायिक योजना सफल होगी। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। विरोधी परास्त होंगे। धन लाभ की संभावना है।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे।

कन्या जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। यात्रा में अपने सामान के प्रति सचेत रहें चोरी या खोने की आशंका है। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

तुला जीविका के क्षेत्र में प्रगति होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ के तनाव मिलेंगे।

वृश्चिक पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। संतान के कारण चिंतित रहेंगे। वाद विवाद की स्थिति से बचें। आर्थिक योजना सफल होगी। जल्दबाजी में कोई निर्णय न लें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी।

धनु व्यावसायिक तथा आर्थिक योजना फलीभूत होगी। शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। अनावश्यक खर्च का सामना करना पड़ सकता है। पारिवारिक जनों का सहयोग मिलेगा।

मकर पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। संतान के दायित्व की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी रखें। किया गया परिश्रम सार्थक होंगे।

कुम्भ रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। व्यावसायिक योजना फलीभूत होगी। वाणी की सौम्यता व्यर्थ के विवादों से आपको बचा सकतीहै। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। वाहन प्रयोग में सावधानी रखें।

मीन जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। स्थानान्तरण व परिवर्तन के योग हैं। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। प्रेम प्रसंग प्रगाढ़ होंगे। पराक्रम में वृद्धि होगी। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मारने वालों को मरने से बचाना था

किरेन थॉमसन कोच और सामाजिक कार्यकर्ता

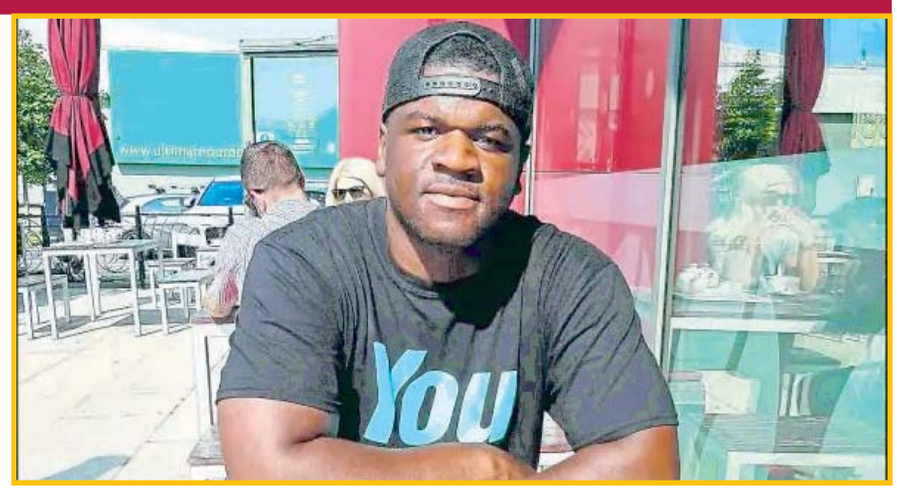

मां ने बार-बार टोका- बेटा, उस इलाके में इस वक्त जाना ठीक नहीं है। वह जानती थीं कि शहर के जिस हिस्से में बेटा जाने की बात कह रहा है, वहां की फिजाओं में ही आवारगी घुली-मिली है। मगर 17 साल के किरेन थॉमसन अपने अजीज दोस्त की जन्मदिन पार्टी को भला कैसे छोड़ देते? मां-बेटे के बीच इसरार-मनुहार, फिक्र और वादों का कुछ लम्हा गुजरा और फिर मां ने थॉमसन के गले में 'क्रॉस' डालकर कहा- 'जल्दी आ जाना।' यह अप्रैल 2006 की बात है। ब्रिवस्टर्स एस्टेट में पार्टी थी। नॉटिंघम का यह इलाका उन दिनों तरह-तरह के तस्कर गुटों और उनके बीच की हिंसक झड़पों के लिए दुनिया भर में बदनाम था। थॉमसन के लिए भी वह बहुत परिचित जगह नहीं थी। मगर पार्टी और दोस्तों के साथ वक्त गुजारने के जोश में कहां इन बातों को अहमियत मिलती! बस बाल संवारे और निकल गए। वक्त पर पार्टी हॉल में पहुंच जाना था। थॉमसन दोस्तों संग पार्टी का लुत्फ उठा रहे थे, इसी बीच एक गुट उन लोगों से उलझ पड़ा। सुरक्षा गार्डों ने अंततः उन लड़कों को बाहर निकाल दिया। किसी भी खतरे से गाफिल थॉमसन दोस्तों के साथ जब पार्टी हॉल से बाहर आए, तो देखा कि करीब 20-22 लड़के हाथों में बेसबॉल के बैट और कांच की बोतलें लिए खड़े हैं। उनमें वे चेहरे भी थे, जिनसे पार्टी में उनकी कहा-सुनी हुई थी। थॉमसन को समझते देर न लगी कि वे लोग घिर गए हैं। मुकाबला करने की बजाय, माफी मांगने में ही अक्लमंदी थी। मगर वह इसकी पहल कर पाते, इसके पहले ही उनके दोस्त पर किसी ने बैट चला दिया। दंगाई लड़कों से बचने के लिए थॉमसन के दोस्त अंधेरे में इधर-उधर भागे। पर वह खुद बुरी तरह घिर चुके थे। जिसके हाथ में जो कुछ था, वह उसी से थॉमसन को तब तक मारता रहा, जब तक कि वह बेहोश नहीं हो गए। थॉमसन को 'क्वीन्स मेडिकल सेंटर' में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों ने हालत देखकर उनकी मां से कहा, 'प्रार्थना कीजिए।' मां की प्रार्थना सुन ली गई थी। थॉमसन के सिर से कांच के सारे टुकड़े निकाल दिए गए थे। मगर दिमाग में सूजन काफी थी। रह-रहकर उन्हें दौरे पड़ जाते। करीब पंद्रह दिनों तक हॉस्पिटल में गहन इलाज के बाद जब वह अपनी मां के साथ घर के लिए निकले, तो तमाम हिदायतों के साथ डॉक्टर ने मुस्कराते हुए थॉमसन से कहा- 'सिर के बालों ने तुम्हारी जान बचा दी।' इस हादसे ने उन्हें इतना डरा दिया था कि पूरी तरह सेहतमंद होने के बाद भी कई हफ्तों तक वह घर से बाहर नहीं निकले। फिर एक दिन बिस्तर पर पड़े-पड़े उन्होंने उन चेहरों को याद करना शुरू किया, जिन्होंने उन्हें मौत के मुंह में पहुंचा दिया था। वह उन सबका अक्स इसलिए नहीं टटोल रहे थे कि पुलिस के सामने उनकी शिनाख्त कर सकें, बल्कि वह जानना चाहते थे कि आखिर क्यों वे ऐसा बन गए? आहिस्ता-आहिस्ता जिंदगी पटरी पर लौट आई थी और थॉमसन अपनी नई जिंदगी से कुछ अलग चाहने लगे थे। मारने वालों को मरने से बचाना था। वह अब सिर्फ अपने लिए नहीं जीना चाहते थे। थॉमसन उन मासूमों को बचाने के लिए कुछ करना चाहते थे, जिन पर ड्रग्स तस्करों व जरायम की दुनिया के लोगों की नजर होती है। उनके सामने सबसे बड़ा सवाल यह था कि इन बच्चों को सड़कों से दूर कर कैसे किसी अभियान से जोड़ा जाए? सबसे पहले तो उन्हें अपनी ओर खींचना ही एक बड़ी चुनौती थी। थॉमसन ने आठ से 11 साल के बच्चों पर सबसे पहले काम करना शुरू किया। उन्होंने इसके लिए बास्केटबॉल की मदद ली। दरअसल, वह जानते थे कि यह खेल पूरे ब्रिटेन में लोकप्रिय है और इसका आकर्षण बच्चों को जरूर उनकी तरफ लेकर आएगा। धीरे-धीरे बच्चे आने भी लगे।

सप्ताह में जब 70 बच्चे होने लगे, तो इनको संभालने के लिए थॉमसन को कुछ वॉलंटियर्स की जरूरत थी। पर इसके लिए भी उन्हें बहुत परेशान नहीं होना पड़ा, क्योंकि कई हमख्याल नौजवान उनके साथ आ गए। करीब ढाई वर्ष पहले थॉमसन ने 'हेल्पिंग किड्स अचीव' नामक संस्था की शुरुआत की, जिसके तहत वह बच्चों को बास्केटबॉल के अलावा डांस और कई अन्य खेलों का प्रशिक्षण मुहैया करा रहे हैं। सोमवार को वह बच्चियों को बास्केटबॉल और डांस सिखाते हैं, तो वहीं मंगलवार और बुधवार को सिर्फ बास्केटबॉल का प्रशिक्षण देते हैं, लेकिन हरेक शुक्रवार को वह उसी जगह पर इन तमाम गतिविधियों का संचालन करते हैं, जहां उन पर साल 2006 में कातिलाना हमला हुआ था। थॉमसन गरीब बच्चों से फीस नहीं लेते हैं।

करियर के साथ एक बड़े मानवीय मूल्य को जी रहे किरेन थॉमसन को बीबीसी ने दिसंबर में 'स्पोर्ट्स पर्सनैलिटी ऑफ द ईयर' के सम्मान से नवाजा। प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने भी इस प्रतिष्ठित पुरस्कार के लिए उन्हें निजी तौर पर बधाई संदेश भेजा, तो वहीं सिटी कौंसिल के नेता गुलदस्ते के साथ यह कहते हुए उनके दरवाजे पर चले आए- 'नॉटिंघम को आप पर नाज है।'

प्रस्तुतिः चंद्रकांत सिंह

करोना इफैक्टः डिजिटल पेमेंट ने एटीएम कैश विदड्रॉल को पछाड़ा

बेंगलुरु। कोरोना महामारी ने सामान्य जिदंगी को काफी हद तक अस्त व्यस्त कर दिया है। इस महामारी के कारण भारत की डिजिटल पेमेंट इकनॉमी की ओर बढ़ रहा है और कैश पर निर्भरता धीरे-धीरे कम हो रही है। इस बदलाव से अब लोग एटीएम से कैश निकालने से ज्यादा डिजिटल पेमेंट पर निर्भर होने लग गए है। अंग्रेजी अखबार द टाइम्स ऑफ इंडिया की एक रिपोर्ट के अनुसार, 2019 की चौथी तिमाही में पहली बार ये देखने को मिला है कि कार्ड और मोबाइल पेमेंट ने एटीएम से निकलने वाले पैसों के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया है। इस दौरान कुल 10.57 लाख करोड़ रुपए की ट्रांजेक्शन कार्ड और मोबाइल पेमेंट के जरिए हुई, जबकि एटीएम से लोगों ने 9.12 लाख करोड़ रुपए ही निकाले। 2019 में एटीएम कैश विदड्रॉल को पछाड़ने के बाद 2020 की पहली तिमाही में भी डिजिटल पेमेंट ने बाजी मार ली है। इस दौरान कुल 10.97 लाख करोड़ रुपए का ट्रांजेक्शन कार्ड और मोबाइल के जरिए हुआ, जबकि एटीएम विदड्रॉल में 5 फीसदी की गिरावट के साथ ये 8.66 लाख करोड़ रुपए रहा। कोरोना की वजह से भी डिजिल पेमेंट में काफी बढ़ोतरी हुई है। एस एंड पी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस के फिनटेक एनालिस्ट संपत शर्मा नरियानूरी ने कहा- ट्रेंड अप्रैल और मई में चलता रहा, क्योंकि लॉकडाउन की वजह से लोगों के कहीं आने जाने पर पाबंदी थी। इस दौरान भारत ने अमेरिका, यूके, थाईलैंड और सिंगापुर की तुलना में डिजिल पेमेंट में सबसे अधिक ग्रोथ दिखी। इसमें यूपीआई का बहुत बड़ा योगदान है। बैंकर्स का कहना है कि अभी कुछ समय तक यही ट्रेंड चलता रहेगा।

ऑटो ऋण के कुछ कर्मचारी व्यक्तिगत कदाचार में शामिल, कोई हितों का टकराव नहीं: एचडीएफसी बैंक

मुंबई। एचडीएफसी बैंक के प्रबंध निदेशक और मुख्य कार्यकारी आदित्य पुरी ने शनिवार को कहा कि ऑटो ऋण कारोबार के कुछ कर्मचारी ''व्यक्तिगत कदाचार'' में शामिल पाए गए हैं, जिसके चलते उनके खिलाफ ''अनुशासनात्मक कार्रवाई'' की गई है। पूरी ने शेयरधारकों को एक संबोधन में यह टिप्पणी की। इससे पहले खबर आई थी कि ऑटो ऋण कारोबार के प्रमुख किन परिस्थितियों के चलते मार्च में सेवानिवृत्त हुए और बैंक द्वारा कथित रूप से हितों के टकराव को लेकर जांच शुरू की गई है। बैंक की आम बैठक को संबोधित करते हुए पुरी ने व्हिसलब्लोअर की शिकायत के बाद जांच में हितों के टकराव की बात पाए जाने से इनकार किया है। पुरी ने कहा, ''पूछताछ में व्यक्तियों के एक समूह द्वारा व्यक्तिगत कदाचार से संबंधित एक पहलू सामने आया है, जिसके लिए उचित अनुशासनात्मक कार्रवाई की गई है।'' उन्होंने कहा, ''(अशोक) खन्ना उक्त व्यवसाय खंड के प्रमुख थे, उन्होंने भी जांच प्रक्रिया में भाग लिया।''

सरकार ने वैश्विक हस्तियों के प्रोफाइल में सेंध की हालिया घटना के बाद ट्विटर को भेजा नोटिस

नयी दिल्ली। भारत की साइबर सुरक्षा एजेंसी सीईआरटी-इन ने वैश्विक हस्तियों के प्रोफाइल में सेंधमारी (हैकिंग) की हालिया घटना के बाद ट्विटर को नोटिस जारी किया है। एक सूत्र ने इसकी जानकारी दी। मामले से जुड़े एक सूत्र ने पीटीआई-भाषा को बताया कि सीईआरटी-इन ने ट्विटर को उसके उपयोग करने वाले के खातों सेंधमारी की इस घटना से प्रभावित हुए भारतीय उपयोक्ताओं की संख्या के बारे में पूरी जानकारी देने को कहा है। इसके अलावा ट्विटर से यह भी बताने को कहा गया है कि इस घटना में किस तरह की सूचनाएं प्रभावित हुई हैं। सूत्र ने बताया कि सीईआरटी-इन ने ट्विटर से पूछा है कि कितने भारतीय उपयोक्ताओं ने दुर्भावनापूर्ण ट्वीट और लिंक पर विजिट किया है और क्या ट्विटर ने प्रभावित उपयोक्ताओं को उनके प्रोफाइल में सेंध व अनधिकृत उपयोग के बारे में बताया है।

एक्सिटेल की 200 करोड़ रुपए जुटाने की योजना, 50 शहरों तक करेगी विस्तार

नई दिल्ली।

ब्राडबैंड सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी एक्सिटेल 200 करोड़ रुपए जुटाने के लिए निवेशकों के साथ बातचीत कर रही है, जिसके जरिए वह अपने फाइबर टू होम (एफटीटीएच) नेटवर्क का विस्तार करेगी और दिसंबर 2021 तक अपनी मौजूदगी 50 शहरों तक बढ़ाएगी। कंपनी के इस समय चार लाख ग्राहक हैं और वह नौ शहरों दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, कानपुर, लखनऊ, जयपुर, झांसी और गुंटूर में कामकाज करती है। एक्सिटेल के सीईओ विवेक रैना ने कहा कि भारत में वायरलाइन ब्रॉडबैंड एक ऐसा क्षेत्र है, जहां बहुत काम होना बाकी है और यहां 120 करोड़ आबादी के बीच करीब दो करोड़ ग्राहक हैं। रैना ने बताया कि दूरसंचार कंपनियां परंपरागत रूप से भारत के बड़े शहरों में वायरलाइन ब्रॉडबैंड सेवाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करती रही हैं और वहां भी महंगे रिहायशी इलाकों या बहुमंजिला भवनों पर उनका जोर रहा है, लेकिन ये शहर का 20-25 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कंपनी की रणनीति स्थानीय केबल ऑपरेटरों और स्थानीय इंटरनेट ऑपरेटरों के साथ साझेदारी करना है, विशेष रूप से शहर के बाकी 75 प्रतिशत हिस्से में कवरेज पाने के लिए, जहां दूसरे ऑपरेटर या दूरसंचार कंपनियां नहीं जा सकी हैं। विस्तार योजनाओं के बारे में बात करते हुए रैना ने कहा कि एक्सिटेल वित्तपोषण के जरिए करीब 200 करोड़ रुपए जुटाने के लिए बातचीत कर रही है।

अप्रैल-जून में सिर्फ 10 प्रतिशत विनिर्माण इकाइयो का उत्पादन बढ़ा : फिक्की सर्वे

नयी दिल्ली। चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून की तिमाही में सिर्फ 10 प्रतिशत विनिर्माण इकाइयां ऐसी रहीं, जिनके उत्पादन में बढ़ोतरी दर्ज हुई। उद्योग मंडल फिक्की के तिमाही सर्वे में यह जानकारी दी गई है। इससे पिछली तिमाही में 15 प्रतिशत विनिर्माण इकाइयों का उत्पादन बढ़ा था। सर्वे में बड़ी और लघु एवं मझोले उपक्रम (एसएमई) क्षेत्र की 300 से अधिक विनिर्माण इकाइयों के आंकड़ों को शामिल किया गया है। इन इकाइयों का सामूहिक वार्षिक कारोबार 2.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक है। सर्वे में कहा गया है कि लॉकडाउन पाबंदियों में ढील के बाद मांग और मौजूदा ऑर्डरों को देखते हुए कारखानों में परिचालन की दृष्टि से वाहन क्षेत्र सबसे बुरी तरह प्रभावित है। जिन अन्य क्षेत्रों का परिचालन निचले स्तर पर है उनमें चमड़ा और फुटवियर, इलेक्ट्रॉनिक्स और इलेक्ट्रिकल्स तथा टेक्सटाइन मशीनरी क्षेत्र शामिल है। सर्वे में शामिल 90 प्रतिशत लोगों ने अप्रैल-जून 2020-21 में कम या समान उत्पादन रहने की बात कही। 2019-20 की अंतिम तिमाही में ऐसा कहने वालों की संख्या 85 प्रतिशत थी। विनिर्माण क्षेत्र के लिए नियुक्ति परिदृश्य भी काफी कमजोर नजर आता है।

कोविड-19: बैंक यूनियनों ने कर्मचारियों की सुरक्षा को लेकर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री को पत्र लिखा

मुंबई। महाराष्ट्र में बैंक कर्मचारियों ने राज्य की विभिन्न बैंक शाखाओं में नियमित सेनेटाइजेशन और सामाजिक दूरी के मानदंडों के अनुपालन के अभाव को लेकर चिंता जताई है। उनका कहना है कि इस कारण कोविड-19 के चलते कर्मचारियों की जान जोखिम में है। बैंक यूनियनों ने राज्य के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को पत्र लिखकर स्थानीय अधिकारियों को बैंक कर्मचारियों की सुरक्षा के लिए निर्देश जारी करने में उनके हस्तक्षेप की मांग की है। यूनाइटेड फोरम ऑफ बैंक यूनियंस (यूएफबीयू) ने पत्र में कहा कि केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के बावजूद राज्य सरकार और स्थानीय प्रशासन बैंक शाखाओं में नियमित सेनेटाइजेशन का अनुपालन नहीं कर रहे हैं। यूनियन ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए बैंक शाखाओं के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती भी नहीं की जा रही है। यूनियन ने कहा कि भीड़ प्रबंधन के लिए बैंक शाखाओं के प्रवेश द्वार पर सुरक्षा गार्ड की तैनाती भी नहीं की जा रही है। पत्र में कहा गया कि बुनियादी मानकों की अवहेलना के कारण बैंकों से महामारी के फैलने की आशंका बढ़ गई है। आशंका बढ़ गई है। इस संबंध में ठाकरे से तत्काल हस्तक्षेप करने का आग्रह किया गया है।

लॉकडाउन की वजह से स्मार्टफोन की बिक्री 48फीसदी गिरी, रिसर्च फर्म कैनालिस की रिपोर्ट

नई दिल्ली।

कोरोना काल के दौरान मोबाइल फोन इंडस्ट्री को बड़ा नुकसान हुआ है। कोरोना से बचाव के लिए लगाए गए लॉकडाउन की वजह से स्मार्टफोन की बिक्री पहले के मुकाबले काफी कम हुई। रिसर्च फर्म कैनालिस की रिपोर्ट के आधार पर जून तिमाही में स्मार्टफोन शिपमेंट में 48 फीसदी की गिरावट देखी गई। रिपोर्ट की माने तो जून तिमाही में स्मार्टफोन की शिपमेंट 17.3 मिलियन (1.73 करोड़)यूनिट ही रह गया है। कैनालिस रिपोर्ट का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से स्मार्टफोन विक्रेताओं को काफी दिक्कत का सामना करना पड़ा था, इस दौरान स्मार्टफोन का उत्पादन भी कम हो गया था और ऑनलाइन और ऑफलाइन रिटेलर्स की ओर से फोन की बिक्री पर रोक लगा दी थी। बता दें कि पहली तिमाही में उत्पादन कम होने की वजह से कई कंपनियों ने बाहर से फोन मंगवाए थे, उनका मानना था कि ऐसा करने से ग्राहकों के बीच मांग बनी रहेगी और इसमें कई चीनी कंपनियां भी शामिल थीं। कैनालिस की विशेषज्ञ मधुमिता चौधरी का मानना है कि भारत में अभी भी स्मार्टफोन बाजार के लिए रास्ता काफी मुश्किल है। लॉकडाउन की वजह से कंपनियों में कर्मचारियों की कमी रही, जिसकी वजह से स्मार्टफोन के उत्पादन में कमी देखने को मिली और इसका असर सबसे ज्यादा बिक्री पर पड़ा। स्मार्टफोन इंडस्ट्री के जानकारों का कहना है कि लॉकडाउन की वजह से बड़ी संख्या में लोगों की नौकरी गई और वेतन में कटौती हुई, जिसकी वजह से लोगों ने अपनी जेब ढीली करने में हिचकिचाहट दिखाई और स्मार्टफोन की खरीद पर नकारात्मक असर देखने को मिला।

रिसर्च कंपनियों का कहना है कि कोरोना का काबू करने के लिए लगाए गए लॉकडाउन से देश की अर्थव्यवस्था पर तो असर पड़ा ही लेकिन इससे स्मार्टफोन को लेकर लोगों के व्यवहार में काफी बदलाव देखने को मिला। उपभोक्ताओं ने स्मार्टफोन खरीदने के फैसले में टालमटोली की।

डीजल की कीमतों में बढ़ोतरी से भाड़े में हो सकती है 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी: ट्रांसपोर्ट यूनियन

मुंबई। ट्रक परिचालकों की एक यूनियन ने डीजल की कीमतों की हर महीने या तिमाही समीक्षा किए जाने की मांग करते हुए शनिवार को कहा कि यदि ईंधन की कीमत दैनिक आधार पर बढ़ती रही तो भाड़े में 20 प्रतिशत बढ़ोतरी करनी पड़ सकती है। गौरतलब है कि डीजल की कीमत में पिछले महीने 23 दिनों तक बढ़ोतरी होती रही। ट्रक की परिचालन लागत में करीब 65 प्रतिशत हिस्सा ईंधन का है। दूसरा बडा खर्च टोल चार्ज है, जिसकी परिचालन लागत में 20 प्रतिशत हिस्सेदारी है। ऑल इंडिया मोटर्स ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) के पूर्व अध्यक्ष और कोर कमेटी के अध्यक्ष बाल मलकीत सिंह ने एक बयान में कहा, ''मांग पहले ही कम है और करीब 55 प्रतिशत वाहन पहले ही खड़े हैं। ऐसे में परिचालन को बनाए रखना मुश्किल है। कोविड-19 के चलते लागू किए गए लॉकडाउन से सड़क परिवहन क्षेत्र तबाह हो रहा है।'' उन्होंने कहा कि ऐसे में ट्रक परिचालन को बनाए रखने के लिए आज नहीं तो कल निश्चित रूप से भाड़े में सुधार करना होगा। उन्होंने कहा कि उनके सामने इस लागत को ग्राहकों के ऊपर डालने के सिवा दूसरा कोई रास्ता नहीं है। ऊपर डालने के सिवा दूसरा कोई रास्ता नहीं है। सिंह ने कहा, ''इस समय कारोबार को बनाए रखने के लिए माल भाड़े में 20 प्रतिशत की बढ़ोतरी जरूरी है।''

अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करेगा भारत

नयी दिल्ली।

भारत की योजना अमेरिका के रणनतिक पेट्रोलियम भंडार में कच्चे तेल का भंडारण करने की है। अधिकारियों ने यह जानकारी देते हुए कहा कि इस कच्चे तेल का इस्तेमाल न सिर्फ आपात स्थिति में किया जाएगा, बल्कि किसी तरह का मूल्य लाभ होने पर व्यापार के लिए भी किया जाएगा। भारत और अमेरिका ने 17 जुलाई को आपातकालीन कच्चे तेल भंडारण पर सहयोग के लिए शुरुआती करार किया है। इसमें भारत द्वारा अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करने की संभावना भी शामिल है। एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा, ''यह एक अच्छी अवधारणा है, लेकिन इसके साथ कई शर्तें भी जुड़ी हैं।'' सबसे पहले भारत को अमेरिका में तेल भंडारण के लिए किराया देना होगा। यह किराया कच्चे तेल की अंतरराष्ट्रीय कीमत के ऊपरी स्तर पर होगा। अधिकारी ने कहा कि इसका दूसरा विकल्प है कि हम अपना रणनीतिक भंडार बनाएं। लेकिन इसमें काफी पूंजी खर्च करनी पड़ेगी और निर्माण में कुछ वर्ष लगेंगे। ऐसे में तत्काल रणनीतिक भंडारण के लिए किराया देना ज्यादा अच्छा विकल्प होगा। अमेरिका में रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार (एसआरपी) का निर्माण और रखरखाव निजी कंपनियों द्वारा किया जाता है। कोई देश अमेरिका में भंडारित तेल का इस्तेमाल खुद की जरूरत या कीमत के मोर्चे पर फायदा होने की स्थिति में व्यापार के लिए कर सकता है। अधिकारी ने कहा कि यदि कीमतें नीचे आती हैं, तो आपको नुकसान भी होता है । अधिकारी ने बताया कि यदि समुद्री मार्ग बाधित होता है, तो अमेरिका में भंडारण से भारत की ऊर्जा सुरक्षा पर कोई असर नहीं पड़ने वाला, क्योंकि आप अपने भंडार का लाभ नहीं ले सकते। ''अमेरिका से कच्चा तेल मंगाने में एक महीने का समय लग जाता है।'' उन्होंने कहा कि अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण एक तरह से कीमतों में उतार-चढ़ाव से बचाव के लिए की जाने वाली हेजिंग है। ''सभी तरह की हेजिंग की लागत होती है।'' अधिकारी ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण यह है कि बड़ी मात्रा में भंडारण के लिए कच्चे तेल की खरीद को अग्रिम भुगतान करना होता है। ऐसे में कंपनियों को काफी बड़ी पूंजी 'ब्लॉक' करनी पड़ती है। भारत ने कुछ माह पहले अमेरिका में कच्चे तेल का भंडारण करने की संभावना पर विचार शुरू किया था।

लेकिन कोविड-19 के बीच मांग में भारी गिरावट के चलते वह इस दिशा में अधिक प्रगति नहीं कर पाया। मांग घटने की वजह से दुनिया भर के भंडारगृह और यहां तक कि जहाजों के भंडार गृह भी पूरी तरह भर गए थे। हालांकि, अब मांग में सुधार हुआ है, लेकिन अभी यह कोविड-19 के पूर्व के स्तर से कम है।

आयकर विभाग ने फेसलेस मूल्यांकन के पहले चरण के तहत 7,116 मामलों का निपटान किया

नयी दिल्ली। आयकर विभाग ने फेसलेस मूल्यांकन प्रणाली के पहले चरण के तहत 7,116 मामलों का निपटान किया है। एक आधिकारिक सूत्र ने यह जानकारी दी। फेसलेस मूल्यांकन प्रणाली की शुरुआत सात अक्टूबर 2019 को हुई थी। इसके तहत इलेक्ट्रानिक रूप से आयकर मूल्यांकन किया जा सकता है और करदाताओं को कर अधिकारी से सीधे मिलने या आयकर विभाग के कार्यालय जाने की जरूरत नहीं। करदाता आयकर पोर्टल पर जवाब दे सकते हैं। सूत्रों ने कहा कि फेसलेस मूल्यांकन के पहले चरण में कुल 58,319 मामलों को स्वचालित माध्यम के तहत लाया गया और इन्हें कंप्यूटर गणना के आधार पर किसी भौगोलिक न्याधिकार से मुक्त रखा गया। सूत्रों ने कहा कि इसमें से 7,116 मामलों का निपटान किया गया है। उन्होंने कहा कि सभी मामलों में करदाताओं की इन करदाताओं से कहा गया है कि वे नोटिस या किसी नई सूचना के लिए अपने पंजीकृतई-फाइलिंग खातों / ईमेल आईडी को देखें। ई-फाइलिंग खातों / ईमेल आईडी को देखें। सूत्र ने बताया कि अब करदाताओं के साथ सभी संवाद दिल्ली में एक केंद्रीय प्रकोष्ठ द्वारा इलेक्ट्रॉनिक रूप से किए जाते हैं और करदाताओं के लिए सभी मूल्यांकन अधिकारियों की पहचान गोपनीय रहती है।

मारुति का छोटा बीएस-6 डीजल इंजन बनाने का इरादा नहीं, सीएनजी पोर्टफोलियो का करेगी विस्तार

नयी दिल्ली।

देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया (एमएसआई) का छोटी कारों के लिए भारत चरण-6 मानक वाला डीजल इंजन विकसित करने का कोई इरादा नहीं है। कंपनी का मानना है कि इस तरह की कारें आर्थिक दृष्टि से व्यावहारिक नहीं हैं। कंपनी के एक अधिकारी ने कहा कि अब बाजार धीरे-धीरे पेट्रोल मॉडलों की ओर स्थानांतरित हो रहा है। मारुति के आगे पेश किए जाने वाले वाहनों में कोई डीजल मॉडल नहीं है। कंपनी का इरादा अब अपने सीएनजी पोर्टफोलियो का विस्तार करने का है। एमएसआई के कार्यकारी निदेशक बिक्री एवं विपणन शशांक श्रीवास्तव ने पीटीआई-भाषा से साक्षात्कार में कहा, ''छोटा डीजल इंजन विकसित करने का कोई तर्क नहीं है। हैचबैक खंड में यह पांच प्रतिशत से कम रह गया है। सेडान और प्रवेश स्तर के एसयूवी खंड में भी इसमें काफी कमी आई है। अर्थशास्त्र अब इसका समर्थन नहीं करता।''

हालांकि, वाहन क्षेत्र की प्रमुख कंपनी आगे चलकर डीजल आधारित बड़ी एसयूवी और सेडान की पर्याप्त मांग होने पर बड़े बीएस-6 इंजनों पर विचार कर सकती है। श्रीवास्तव ने कहा, ''हालांकि, बहुत से उपभोक्ता ऐसे हैं जो कार चलाने के लिए अर्थशास्त्र को नहीं देखते और वे अब भी डीजल कारों की खरीद कर सकते हैं। इसी वजह से कंपनी ने कहा है कि बाजार पर उसकी नजदीकी नजर है।'' उन्होंने कहा कि यदि उस श्रेणी में पर्याप्त लोग होते हैं तो हम बड़ा बीएस-6 डीजल इंजन विकसित करने पर विचार कर सकते हैं। श्रीवास्तव ने कहा कि अभी कंपनी ने इसपर कोई फैसला नहीं किया है। सीएनजी पोर्टफोलियो के विस्तार पर श्रीवास्तव ने कहा कि कंपनी का चालू वित्त वर्ष में 1.4 से 1.5 लाख सीएनजी वाहनों की बिक्री का लक्ष्य है। 2019-20 में कंपनी ने 1.07 लाख सीएनजी वाहन बेचे थे। कंपनी ने अगले कुछ वर्ष में हरित प्रौद्योगिकी वाली 10 लाख कारें बेचने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा है। श्रीवास्तव ने कहा कि डीजल कारों की तुलना में सीएनजी कारें सस्ती होती हैं। इसके अलावा सीएनजी कारों को चलाना भी सस्ता पड़ता है। उन्होंने कहा कि पिछले वित्त र्ष में सीएनजी खंड ने सात प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की। वहीं कुल यात्री वाहन उद्योग में 18 प्रतिशत की गिरावट आई।

टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया ने जमा की एक हजार करोड़ रुपए की बकाया राशि

नई दिल्ली।

टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन-आइडिया ने समायोजित सकल राजस्व एजीआर बकाया राशि के लिए दूरसंचार विभाग को एक हजार करोड़ रुपए का भुगतान किया है। कंपनी ने यह भुगतान शुक्रवार को किया। वोडाफोन-आइडिया इससे पहले तीन बार में 6,854 करोड़ रुपए जमा किए थे। इस प्रकार कंपनी ने एजीआर बकाया के लिए कुल 7,854 करोड़ रुपए का भुगतान किया है। बता दें कि इससे पहले भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी ट्राई ने देश की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल और वोडाफोन को प्रीमियम पोस्टपेड प्लान पर रोक लगाने का आदेश दिया था। ट्राई ने यह कदम इसलिए उठाया, क्योंकि दोनों कंपनियां एयरटेल प्लेटिनम और रेडएक्स पोस्डपेड प्लान के जरिए कुछ चुनिंदा यूजर्स को अन्य यूजर्स के मुकाबले हाई-स्पीड डाटा के साथ बेहतर सुविधाएं प्रदान कर रही हैं। ट्राई ने दोनों टेलीकॉम कंपनियों से इन पोस्टपेड प्लान को बंद करने का आदेश दिया। साथ ही पत्र लिखकर यह भी पूछा है कि यदि कोई ग्राहक ज्यादा पैसे देता है, तो उसे आम यूजर्स के मुकाबले ज्यादा प्राथमिकता क्यों दी जा रही है। साथ ही यह भी पूछा गया कि अन्य उपभोक्ताओं को कम सुविधाएं क्यों दी जा रही हैं। इसके अलावा दोनों कंपनियों से पत्र में भी यह भी पूछा गया कि आम उपभोक्ताओं के हितों के लिए किस तरह से काम किया जा रहा है।

चीन को भारत से भी बड़ा झटका दे सकता है जापान, वापस बुला रहा अपनी सारी कंपनिया

बिजनेस डेस्क।

जापान सरकार चीन से अपनी फैक्ट्रियों को स्थानांतरित करने और उन्हें वापस घर या दक्षिण एशिया में फैक्ट्री लगाने वाली कंपनियों को भुगतान करना शुरू करेगी। यह आपूर्ति श्रृंखलाओं को सुरक्षित करने और चीन में विनिर्माण पर निर्भरता को कम करने के लिए एक नए कार्यक्रम का हिस्सा होगी। ब्लूमबर्ग की एक रिपोर्ट के मुताबिक, फेसमास्क बनाने वाली कंपनी आइरिस ओह्यामा इंक और शार्प कॉर्प समेत 57 प्राइवेट कंपनियों को सरकार और मिनिस्ट्री ऑफ इकोनॉमी से सब्सिडी में कुल 57.4 बिलियन येन या 536 मिलियन डॉलर (4002 करोड़ रुपए) मिलेंगे। वहीं, वियतनाम, म्यांमार, थाईलैंड और अन्य दक्षिण पूर्व एशियाई देशों में विनिर्माण को स्थानांतरित करने के लिए 30 और कंपनियों को एक अलग घोषणा के अनुसार रकम प्राप्त होगा। निक्केई समाचार पत्र की रिपोर्ट के मुताबिक, जापान सरकार चीन से अपना कारोबार समेटने वाली कंपनियों को कुल 4,900 करोड़ रुपए का भुगतान करेगी। यह भुगतान सरकार के 17,000 करोड़ रुपए (243.5 अरब येन) के फंड से होगा, जो उसने अप्रैल में चीनी आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भरता कम करने के लिए निर्धारित किया था, जिसका उद्देश्य कंपनियों को घर वापस या अन्य देशों में शिफ्ट करने में मदद करना था। चीन सामान्य परिस्थितियों में जापान का सबसे बड़ा व्यापारिक भागीदार है और जापानी कंपनियों का वहां बड़े पैमाने पर निवेश है। कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप ने उन आर्थिक संबंधों के साथ-साथ जापान में चीन की छवि को भी नुकसान पहुंचाया है। जापान का निर्णय 2019 में एक ताइवानी नीति के समान है, जिसका उद्देश्य चीन से निवेश वापस लाना था। अब तक, किसी अन्य देश ने कंपनियों को चीन से शिफ्ट प्रोत्साहित करने के लिए कोई ठोस नीति नहीं बनाई है। बता दें कि कोरोना वायरस के वैश्विक महामारी में चीन की भूमिका और उसके रवैये के बाद जापान सरकार ने चीन में काम कर रही अपनी कंपनियों को वहां से शिफ्ट करने के लिए कहा है। जापान के पीएम ने 2.2 अरब डॉलर का आर्थिक पैकेज देने का फैसला किया। मतलब ये कि अगर जापान की कोई कंपनी चीन से अपना व्यापार बंद कर दूसरे देश में कारोबार शुरू करती है तो जापान सरकार उन्हें आर्थिक मदद देगी।

एक्सिटेल की 200 करोड़ रुपये जुटाने की योजना, 50 शहरों तक करेगी विस्तार

नयी दिल्ली।

ब्राडबैंड सर्विस मुहैया कराने वाली कंपनी एक्सिटेल 200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए निवेशकों के साथ बातचीत कर रही है, जिसके जरिए वह अपने फाइबर टू होम (एफटीटीएच) नेटवर्क का विस्तार करेगी और दिसंबर 2021 तक अपनी मौजूदगी 50 शहरों तक बढ़ाएगी। कंपनी के इस समय चार लाख ग्राहक हैं और वह नौ शहरों दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, बेंगलुरु, विजयवाड़ा, कानपुर, लखनऊ, जयपुर, झांसी और गुंटूर में कामकाज करती है। एक्सिटेल के सीईओ विवेक रैना ने कहा कि भारत में वायरलाइन ब्रॉडबैंड एक ऐसा क्षेत्र है, जहां बहुत काम होना बाकी है और यहां 120 करोड़ आबादी के बीच करीब दो करोड़ ग्राहक हैं। रैना ने पीटीआई-भाषा को बताया कि दूरसंचार कंपनियां परंपरागत रूप से भारत के बड़े शहरों में वायरलाइन ब्रॉडबैंड सेवाओं को लागू करने पर ध्यान केंद्रित करती रही हैं और वहां भी महंगे रिहायशी इलाकों या बहुमंजिला भवनों पर उनका जोर रहा है, लेकिन ये शहर का 20-25 प्रतिशत हिस्सा है। उन्होंने कहा कि कंपनी की रणनीति स्थानीय केबल ऑपरेटरों और स्थानीय इंटरनेट ऑपरेटरों के साथ साझेदारी करना है, विशेष रूप से शहर के बाकी 75 प्रतिशत हिस्से में कवरेज पाने के लिए, जहां दूसरे ऑपरेटर या दूरसंचार कंपनियां नहीं जा सकी हैं। विस्तार योजनाओं के बारे में बात करते हुए रैना ने कहा कि एक्सिटेल वित्तपोषण के जरिए करीब 200 करोड़ रुपये जुटाने के लिए बातचीत कर रही है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

Sports

डेनी मैकार्थी कोरोना वायरस परीक्षण में नेगेटिव पाए गए

डबलिन। डेनी मैकार्थी ने मेमोरियल गोल्फ टूर्नामेंट के तीसरे दौर में 76 के स्कोर के साथ लचर प्रदर्शन किया लेकिन इसके बावजूद उनके लिए खुशखबरी है क्योंकि वह कोरोना वायरस परीक्षण में अंततः नेगेटिव पाए गए हैं। इसका मतलब है कि वह क्लबहाउस में बाकी खिलाड़ियों के साथ लंच कर पाएंगे और अंतिम दौर का मुकाबला बाकी खिलाड़ियों के साथ खेल पाएंगे। मैकार्थी, डाइलन फ्रिटेली और हैरिस इंग्लिश मुइरफील्ड विलेज में खेल रहे उन खिलाड़ियों में शामिल थे जो कोरोना वायरस के लिए पॉजिटिव पाए गए और फिर उन्हें सबसे अलग होकर खेलना पड़ा। इनमें कोई लक्षण नजर नहीं आ रहा था और माना जा रहा है कि वे संक्रमित थे। टूर ने कहा कि मेडिकल विशेषज्ञों से पता चला है कि ऐसे मामले में कई हफ्तों तक पॉजिटिव नतीजे आ सकते है क्योंकि परीक्षण में मृत विषाणुओं का भी पता चलता है।

इस साल होने वाला टी-20 वर्ल्ड कप टाला जा सकता है, इसके बाद आईपीएल पर कोई कदम उठाएंगे : बीसीसीआई

स्पोर्ट्स डेस्क ।

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) की सोमवार को अहम बैठक होनी है। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) को उम्मीद है कि इस बार टी-20 वर्ल्ड कप के टलने की घोषणा हो सकती है। सूत्रों की मानें तो इसी उम्मीद में बीसीसीआई पहले से ही अनिश्चितकाल के लिए टल चुके इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का रोडमैप तैयार कर चुकी है। आईपीएल इस साल 29 मार्च से होना था। वहीं, इस साल टी-20 वर्ल्ड कप ऑस्ट्रेलिया की मेजबानी में 18 अक्टूबर से 15 नवंबर तक होना है। यदि वर्ल्ड कप टलता है, तो बीसीसीआई 26 सितंबर से 7 नवंबर के बीच आईपीएल करा सकता है। इससे पहले सितंबर में पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाला एशिया कप भी टल चुका है। बीसीसीआई अपेक्स काउंसिल के सदस्य ने न्यूज एजेंसी से कहा, ''पहला पड़ाव एशिया कप का टलना था। अब हम अपना कोई भी एक्शन (आईपीएल को लेकर) तभी लेंगे, जब आईसीसी (टी-20 वर्ल्ड कप पर) फैसला लेगी। वे अपना फैसला अब तक टालते आ रहे हैं, जबकि मेजबान ऑस्ट्रेलिया खुद कह चुका है कि वह इस साल टी-20 वर्ल्ड कप की मेजबानी नहीं करना चाहता।'' आईसीसी के एक सूत्र ने कहा, ''आईसीसी ने तुरंत फैसला लेते हुए अब तक टी-20 वर्ल्ड कप को टाला नहीं है, क्योंकि ऑस्ट्रेलियाई सरकार के कई मंत्री इस इवेंट को इसी साल देश में कराना चाहते हैं।'' हाल ही में ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरिसन ने भी स्टेडियम में 25त्न दर्शकों को आने की मंजूरी दे दी है। इससे यह उम्मीद लगाई जा रही है कि ऑस्ट्रेलिया में इस टी-20 साल वर्ल्ड कप हो सकता है। सूत्रों के मुताबिक, बीसीसीआई ने आईपीएल के लिए 26 सितंबर से 7 नवंबर के बीच की संभावित विंडो तय की है। आईपीएल फाइनल के लिए 7 नवंबर का दिन इसलिए तय किया गया है, ताकि भारतीय खिलाड़ियों को इसके बाद ऑस्ट्रेलिया जाने के लिए पूरा वक्त मिल जाए। टीम इंडिया को दिसंबर में 4 मैचों की टेस्ट सीरीज के लिए वहां जाना है। इस बीच, भारतीय बोर्ड ने केंद्र सरकार को चिट्ठी लिखकर आईपीएल को यूएई में कराने के अलावा खिलाड़ियों और ऑफिशियल्स की यात्रा की अनुमति मांगी है। इधर, फ्रेंचाइजियों ने अभी से ही यूएई जाने के लिए चार्टर्ड प्लेन के अलावा वहां रहने के लिए होटल ढूंढने शुरू कर दिए हैं।एक आईपीएल फ्रेंचाइजी के ऑफिशियल ने न्यूज एजेंसी को बताया कि हमने अभी से ही ट्रैवलिंग, होटल और लॉजिस्टिक्स से जुड़े दूसरे काम शुरू कर दिए हैं। हमने टीम के लिए अबू धाबी में एक होटल भी देख लिया है। साथ ही टीम की ट्रेनिंग की प्लानिंग भी शुरू कर दी है। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड सितंबर में इंग्लैंड सीरीज की तैयारी कर रहा, वर्ल्ड कप की नहीं ही में ऑस्ट्रेलिया ने कहा कि उनके खिलाड़ी सितंबर में होने वाली इंग्लैंड के खिलाफ सीमित ओवरों के मैच की तैयारी कर रहे हैं। सीए के इस फैसले से साफ पता चलता है।

वह वर्ल्ड कप कराने के मूड में नहीं है। ऑस्ट्रेलियाई बोर्ड ने सीरीज के लिए अपनी 26 सदस्यीय टीम भी घोषित कर दी है। पहला विकल्प यह कि वर्ल्ड कप को 2021 में जनवरी से मार्च के बीच कराया जाए, लेकिन तब मार्च-अप्रैल में आईपीएल भी होगा। साथ ही जनवरी-मार्च में इंग्लैंड को भारत दौरे पर आना है।

ट्रेनिंग के दौरान पाकिस्तान खिलाड़ी का अंगूठा टूटा, तीन सप्ताह के लिए हुआ टीम से बाहर

डर्बी ।

पाकिस्तानी बल्लेबाज खुशदिल शाह के बायें हाथ के अंगूठे में फेक्चर हुआ है और वह तीन हफ्ते तक क्रिकेट से दूर रहेंगे। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने यह जानकारी दी। अब तक सिर्फ एक टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच खेलने वाले बाएं हाथ के बल्लेबाज शाह को शनिवार को यहां ट्रेनिंग सत्र के दौरान अंगूठे में चोट लगी। पीसीबी ने बयान में कहा, 'बाएं हाथ के बल्लेबाज खुशदिल शाह डर्बी में शनिवार को ट्रेनिंग सत्र के दौरान बाएं हाथ के अंगूठे में फेक्चर के कारण तीन हफ्ते तक बाहर हो गए हैं। बोर्ड ने कहा, 'खुशदिल टीम के सदस्यों के बीच आपस में चल रहे चार दिवसीय मैच का हिस्सा नहीं हैं और वह दूसरे चार दिवसीय मैच में भी चयन के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगे जो 24-27 जुलाई तब डर्बी में खेला जाएगा। पीसीबी ने हालांकि कहा कि हड्डी रोग विशेषज्ञ, टीम डॉक्टर और टीम फिजियो को उम्मीद है कि वह अगले हफ्ते के अंत से ट्रेनिंग शुरू कर पाएगा। पाकिस्तान की टीम इंग्लैंड के खिलाफ अगले महीने शुरू होने वाली टेस्ट श्रृंखला की तैयारी के लिए अभी अपने खिलाड़ियों के बीच से ही दो टीम बनाकर चार दिवसीय मैच खेल रही है। पाकिस्तान इंग्लैंड दौरे पर तीन टेस्ट और इतने ही टी20 मैचों की श्रृंखला खेलेगा। पहला टेस्ट ओल्ड ट्रैफर्ड में पांच अगस्त से खेला जाएगा।

भारत से टेस्ट सीरीज से पहले बोला एयुएस बल्लेबाज, कहा- बुमराह का सामना करना बेहद मुश्किल

स्पोर्ट्स डेस्क । पिछले साल टेस्ट में सबसे अधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज मार्नस लाबुशाने ने कहा कि भारत के साथ साल के अंत में होने वाली टेस्ट सीरीज में वर्ल्ड बेस्ट और भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करना कठिन होगा। हालांकि इसी के साथ ही उन्होंने ये भी कहा कि इस बार ऑस्ट्रेलिया अपना दबदबा कायम करने में कामयाब होगी। एक इंटरव्यू के दौरान लाबुशाने ने माना कि टीम इंडिया के सभी गेंदबाज अच्छे हैं, लेकिन बुमराह की चुनौती से निपटना मुश्किल होगा। लाबुशाने ने कहा कि वो (बुमराह) लगभग 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से लगातार गेंदबाजी करने और परिस्थितियों का साथ मिलने पर गेंद को स्विंग करने की क्षमता रखता है। उन्होंने कहा कि वह गेंद को विकेट की तरफ अंदर लाने में भी सक्षम है। ऑस्ट्रेलिया के लिए 14 टेस्ट में चार शतक और सात अर्धशतक के साथ 63 की औसत से रन बनाने वाले इस बल्लेबाज ने कहा, आप हमेशा बेस्ट के खिलाफ खुद को परखना चाहते हैं जसप्रीत शायद उसी गेंदबाजी आक्रमण का अगुआ है। इशांत शर्मा पर बोलते हुए लाबुशाने ने कहा, इशांत ने पिछले 2 वर्षों में शानदार गेंदबाजी की है। दाएं हाथ के बल्लेबाजों के लिए उनकी गेंद अंदर की तरफ आती है, यह हमारे लिए भी एक अच्छी चुनौती होगी।

टिम साउदी और ट्रेंट बोल्ट सहित न्यूजीलैंड के कई खिलाड़ी मैदान पर लौटे, शुरू की ट्रेनिंग

माउंट मौंगानुई ।

तेज गेंदबाज टिम साउदी, ट्रेंट बोल्ट और अनुभवी बल्लेबाज रॉस टेलर सहित उत्तरी न्यूजीलैंड के खिलाड़ी कोरोना वायरस के प्रकोप के कारण ठप्प चल रही क्रिकेट गतिविधियों के बाद ट्रेनिंग पर वापस लौटे हैं। इससे पहले 13 से 16 जुलाई के बीच दक्षिण के खिलाड़ियों ने ट्रेनिंग शुरु की थी। न्यूजीलैंड टीम का दूसरा राष्ट्रीय शिविर 19 से 24 जुलाई तक चलेगा। न्यूजीलैंड टीम के सभी छह राष्ट्रीय शिविर कोरोना के कारण प्रभावित हुए थे। न्यूजीलैंड के पुरुष खिलाड़ी दो चरणों में सप्ताह के अंत में ट्रेनिंग किया करेंगे जबकि महिला खिलाड़ी सोमवार से गुरुवार तक ट्रेनिंग करेंगी। सलामी बल्लेबाज जीत रावल जिन्हें हाल ही में न्यूजीलैंड के केंद्रीय अनुबंध से बाहर किया गया था उन्हें शिविर के लिए बुलाया गया है। 31 वर्षीय रावल आने वाले घरेलू सत्र के लिए उत्तरी जिले में गए हैं। पुरुषों के शिविर का नेतृत्व मुख्य कोच गैरी स्टिड और महिला शिविर का संचालन बॉब कार्टर करेंगे। न्यूजीलैंड पुरुष टीम के गेंदबाजी कोच शेन जुर्गेंसन और जैकब ओरम भी शिविर में शामिल रहेंगे। कोरोना के कारण न्यूजीलैंड का अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर प्रभावित हुआ है। न्यूजीलैंड का ऑस्ट्रेलिया दौरा छोटा हुआ है जबकि इंग्लैंड और बंगलादेश सीरीज स्थगित हुई है।

न्यूजीलैंड का आखिरी मुकाबला मार्च में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ दर्शकों के बिना खेला गया था। पुरुष प्रथम ग्रुप : ट्रेंट बोल्ट, कॉलिन डी ग्रैंडहोम, जीत रावल, रॉस टेलर, मिशेल सेंटनर, टिम सीफर्ट, टिम साउदी और नील वेगनर। पुरुष द्वितीय ग्रुप : लौकी फर्ग्यूसन, मार्टिन गुप्तिल, काइल जैमीसन,फर्ग्यूसन, मार्टिन गुप्तिल, काइल जिमी नीशम, विल सोमरविले और विल यंग। महिला ट्रेनिंग ग्रुप = एना पीटरसन, कैट पर्किंस, लॉरेन डाउन, हौली हुडेलस्टन, हनाह रोव, रोजमैरी मायेर और नताली डोड।

संक्षिप्त समाचार

12 साल बाद स्टीव बकनर ने खोला राज, कहा- मेरी 2 गलतियों की वजह से सिडनी टेस्ट हारा था भारत

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के पूर्व अंपायर स्टीव बकनर ने कहा है कि उन्होंने 2008 में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच टेस्ट सीरीज के दौरान दो गलतियां की थी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच सिडनी में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के दूसरे मुकाबले में बकनर और मार्क बेंसन मैदानी अंपायर थे। इस मैच में दोनों अंपायर ने कुछ गलत फैसले किए थे जिसके कारण भारत को 122 रन से हार का सामना करना पड़ा था। बकनर ने कहा, 'मैंने 2008 में सिडनी टेस्ट के दौरान दो गलतियां की। मेरी पहली गलती यह थी कि जब भारत अच्छा प्रदर्शन कर रहा था उस वक्त मैंने एक ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज को शतक बनाने दिया। उन्होंने कहा, 'मेरी दूसरी गलती जो मुकाबले के पांचवें दिन थी जिससे शायद भारत मुकाबला हार गया। क्या मैं टेस्ट मैच में दो गलती करने वाला पहला अंपायर था। इसके बावजूद यह दो गलतियां मुझे बैचेन करती हैं। आपको जानने की जरुरत है कि यह गलतियां क्यों हुई। आप ऐसी गलती दोबारा नहीं करना चाहेंगे। उल्लेखनीय है कि भारतीय टीम ने बकनर और बेंसन की अंपायरिंग की शिकायत की थी। बकनर की गलतियों के अलावा भारतीय टीम के ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह और ऑस्ट्रेलिया के एंड्रयू सायमंड्स के बीच हुए मंकी गेट प्रकरण के कारण भी यह सीरीज विवादों में रही थी। यह विवाद इतना बढ़ गया था कि आईसीसी को इस मामले में हस्तक्षेप करना पड़ा था। इस मुकाबले के 12 वर्षों बाद बकनर ने आखिरकार अपनी गलतियां स्वीकार की।

पाक बल्लेबाज ने कहा- रोहित इस कारण बना लेते हैं आसानी से बड़ा स्कोर

स्पोर्ट्स डेस्क । भारतीय क्रिकेट टीम के ओपनिंग बल्लेबाज रोहित शर्मा अपनी धमाकेदार बल्लेबाजी के लिए काफी लोकप्रिए हैं। पाकिस्तान के सीनियर विकेटकीपर बल्लेबाज कामरान अकमल ने रोहित की तारीफ की है और कहा कि उनकी अविश्वसनीय टाइमिंग, स्वभाव और प्रतिबद्धता है और यही उन्हें बड़े स्कोर बनाना आसान कर देता है। अकमल ने यह भी कहा कि वह ग्रेस के साथ बाउंड्री मार सकते हैं और सिंगल लेने के लिए स्ट्राइक रोटेट कर सकते हैं। अकमल ने एक यूट्यूब चैट शो के दौरान कहा, वह (रोहित) अद्भुत, अविश्वसनीय बल्लेबाज है। उसे बल्लेबाजी करते हुए देखकर जिस तरह का आनंद मिलता है वह अपार है। उनका समय, स्वभाव और बल्लेबाजी के प्रति प्रतिबद्धता अविश्वसनीय है। 200, 150 स्कोर करना बहुत कठिन है। मेरे पास 2 दोहरे शतक हैं (मुझे लगता है कि रोहित के पास तीन हैं)। हाल के विश्व कप को देखें तो उन्होंने पांच शतक बनाए। उन्होंने कहा कि वह बेहद शानदार तरीके से बाउंड्री लगाता है, साथ ही वह सिंगल लेकर स्ट्राइक भी रोटेट कर लेता है। पावर हिटिंग उसका सबसे बड़ा प्लस प्वाइंट है, वह बड़े और सिक्सर लगा लेता है। फिलहाल कोरोना वायरस के कारण भारत में खेल गतिविधियों पर रोक है।

घर पर इंटेंस वर्कआउट करती नजर आई टेनिस स्टार सानिया मिर्जा

स्पोर्ट्स डेस्क ।

कोरोना वायरस के कारण ज्यादातर भारतीय खिलाड़ी अभी घरों में हैं और खुद को फिर रखने के लिए घर पर ही एक्सरसाइज कर रहे हैं। हाल ही में भारतीय टेनिस स्टार सानिया मिर्जा ने एक नया वीडियो शेयर किया है जिसमें वह इंटेंस वर्कआउट करती हुई नजर आई। इस वीडियो को उन्होंने सोशल मीडिया पर शेयर किया है और लोग काफी पसंद भी कर रहे हैं। सानिया ने इंस्टाग्राम पर स्टोरी शेयर करते हुए लिखा, आप कड़ी मेहनत करते हैं, आप कठिन खेल खेलते हैं। वीडियो में आप देख सकते हैं कि सानिया डम्ब्ल्स और केटलबेल की मदद से एक्सरसाइज करती नजर आई। इस वीडियो को उनके हजारों फैंस ने लाइक किया है और कमेंट में अपनी प्रतिक्रिया दी है। सानिया कोरोना वायरस महामारी के कारण घर पर ही रह कर 2021 तोक्यो ओलंपिक की तैयारियां कर रही है। सानिया ने इस बारे में एक समाचार पत्र से बात करते हुए कहा कि, मैं वास्तव में अपने चौथे ओलंपिक में जाने और घर में पदक लाने के लिए उत्सुक हूं जो रियो 2016 में रह गया था। गौर हो कि सानिया 25 जुलाई से शुरू होने वाले पांच दिवसीय एयरबीएनबी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम का हिस्सा होंगी जिसमें 100 अन्य ओलंपियन और पैरालिंपियन हिस्सा लेंगे।

भारतीय गेंदबाजों में बुमराह का सामना करना सबसे मुश्किल, भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज असल चुनौतीः ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज

स्पोर्ट्स डेस्क । ऑस्ट्रेलिया के युवा बल्लेबाज मार्नस लबुशाने ने भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह की तारीफ की है। लबुशाने ने कहा कि भारतीय गेंदबाजों में बुमराह का सामना करना सबसे मुश्किल है। उन्होंने कहा कि भारत के खिलाफ साल के आखिर में होने वाली टेस्ट सीरीज में बतौर बल्लेबाज उनका असली इम्तिहान होगा। उन्होंने न्यूज एजेंसी को दिए इंटरव्यू में यह बातें कहीं। भारत के खिलाफ एक टेस्ट खेलने वाले लबुशाने ने कहा कि टीम इंडिया का मौजूदा बॉलिंग अटैक अच्छा है, लेकिन इसमें बुमराह से पार पाना बहुत मुश्किल है। वे लगातार 140 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से गेंदबाजी कर सकते हैं और स्विंग गेंदबाजी के लिए मुफीद मौहाल में वे और खतरनाक हो जाते हैं। वे गेंद को अंदर लाने की भी काबिलियत भी रखते हैं। 14 टेस्ट में 4 शतक और 7 अर्धशतक लगाने वाले इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने इशांत शर्मा की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि पिछले दो सालों में इशांत ने शानदार गेंदबाजी की है। पिछले ऑस्ट्रेलिया दौरे पर भी इस भारतीय गेंदबाज ने अपनी अंदर आती गेंदों से ऑस्ट्रेलिया के दाएं हाथ के बल्लेबाजों को काफी परेशान किया था। ऐसे में जब टीम इंडिया 4 मैच की टेस्ट सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया आएगी, तो हमें कड़ी चुनौती मिलेगी। लबुशाने ने कहा कि दूसरा सीजन किसी भी बल्लेबाज के लिए मुश्किल होता है, क्योंकि तब तक विरोधी टीमें आपके खेल को समझ चुकी होती हैं। ऐसे में भारत के खिलाफ बतौर बल्लेबाज उनकी असल परीक्षा होगी, क्योंकि टीम इंडिया का बॉलिंग अटैक काफी मजबूत है। हालांकि, इस दाएं हाथ के बल्लेबाज को भरोसा है कि भारत के खिलाफ वनडे और एक टेस्ट खेलने का अनुभव उनके काम आएगा। इस ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ने कहा कि मैंने स्टीव स्मिथ से काफी सीखा है।हम दोनों को क्रिकेट के बारे में बात करना पसंद है। हम दोनों को क्रिकेट के बारे में बात करना पसंद है। मैं अपने आप को भाग्यशाली समझता हूं कि उनसे सीखने का मौका मिला। बुशाने ने कहा कि वे सचिन तेंदुलकर से मिलना चाहते हैं।

दिग्गज क्रिकेटरों के खिलाफ शिकायत करने वाले संजीव गुप्ता ने दिया इस्तीफा

भोपाल। भारतीय कप्तान विराट कोहली, लीजेंड सचिन तेंदुलकर सहित कई दिग्गज क्रिकेटरों के खिलाफ हितों के टकराव का आरोप लगाते हुए भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) के नैतिक अधिकारी को पिछले एक साल के दौरान शिकायत करने वाले मध्य प्रदेश क्रिकेट संघ (एमपीसीए) के आजीवन सदस्य संजीव गुप्ता ने इस्तीफ़ा दे दिया है।संजीव ने एमपीसीए अन्य सदस्यों प्रसून कनमडीकर और दिलीप चडगर की शिकायत के बाद शनिवार को अपने पद से इस्तीफा दिया। एमपीसीए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रोहित पंडित ने संजीव के इस्तीफे की पुष्टि करते हुए कहा, हमें संजीव गुप्ता का इस्तीफा मिला है और हम उनकी इच्छानुसार सभी जरुरी कार्यवाही पूरी करेंगे। संजीव ने क्रिकेट लीजेंड सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण और विराट कोहली सहित कई भारतीय क्रिक्रेकटरों की हितों के टकराव मामले को लेकर बीसीसीआई के नैतिक अधिकारी से शिकायत की थी जिसमें ताजा मामला विराट का है जिसके बाद संघ के अन्य सदस्य प्रसून और दिलीप ने उनके खिलाफ शिकायत की थी।दोनों सदस्यों ने अपनी शिकायत में कहा, संजीव ने बीसीसीआई को ई-मेल से शिकायत दर्ज कराने के समय अपना नाम संघ के साथ लाइफ मेंम्बर के तौर पर जोड़कर एमपीसीए की आचार संहिता के नियम छह का उल्लंघन किया है जिससे संघ और उसके सदस्यों को शर्मिंदगी महसूस हुई है और उनकी स्थिति हास्यास्पद बनी है। उनका यह कृत्य एमपीसीए के हितों के लिए हानिकारक है।÷प्रसून और दिलीप ने कहा, हमारी मांग है कि संजीव को संघ और इसके अन्य सदस्यों की छवि खराब करने के लिए लाइफ मेंबरशिप से बर्खास्त किया जाए। संजीव के इस्तीफे पर प्रसून ने कहा, मुझे लगता है कि उन्हें आखिरकार इस बात का अहसास हो गया कि उनका कृत्य एमपीसीए, बीसीसीआई और भारतीय क्रिकेट के हित में नहीं था और इसके कारण उन्हें ज्यादा शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता। उनका इस्तीफा देना ही एकमात्र रास्ता था।

आर्चर को लिखित चेतावनी और जुर्माना... लेकिन तीसरे टेस्ट में खेल सकेंगे

मैनचेस्टर।

इंग्लैंड के तेज गेंदबाज जोफा आर्चर को टीम सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के कारण लिखित चेतावनी दी गयी है और साथ ही उन पर जुर्माना लगाया गया है। आर्चर को सुरक्षा प्रोटोकॉल तोड़ने के कारण वेस्टइंडीज के खिलाफ गुरुवार से शुरु हुए दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था। लेकिन अब वह तीसरे टेस्ट के लिए उपलब्ध हो सकेंगे।आर्चर ने स्वीकार किया कि उन्होंने बिना आधिकारिक मंजूरी के सोमवार को होव अपने घर जाकर टीम सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया था जबकि खिलाड़ियों को अपनी निजी करों से साउथम्पटन से सीधे मैनचेस्टर पहुंचना था। उनकी इस हरकत ने जैव सुरक्षा प्रोटोकॉल का उल्लंघन किया। इंग्लैंड एंड वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) के निदेशक एश्ले जाइल्स ने सुनवाई की अध्यक्षता की जिसमें आर्चर को लिखित चेतावनी दी गयी और उन पर जुर्माना लगाया गया। आर्चर को दूसरे टेस्ट से बाहर कर दिया गया था और अभी वह पांच दिनों के लिए आइसोलेशन में रह रहे हैं। इस दौरान उनका दो बार कोरोना वायरस का टेस्ट किया जाएगा। अगर दोनों बार उनकी रिपोर्ट नेगेटिव आती है तो उन्हें अलग-थलग नहीं रहना होगा और वह तीसरे टेस्ट के लिए 21 जुलाई से टीम के साथ जुड़ जाएंगे।आर्चर ने इससे पहले कहा था, मैंने जो किया है उसके लिए मैं क्षमा चाहता हूं। मैंने ना सिर्फ अपने आपको बल्कि पूरी टीम और मैनेजमेंट को खतरे में डाल दिया है। मैं इस दंड को स्वीकार करता हूं और सभी लोगों से माफी मांगता हूं। टेस्ट मैच से बाहर होना मेरे लिए वाकई दुखद है। मुझे ऐसा लग रहा है कि मैंने दोनों टीमों को खतरे में डाला है और इसके लिए मैं एक बार फिर माफी चाहता हूं। आर्चर विंडीज के खिलाफ पहले

स्टोक्स को लेकर इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज कॉर्क का बड़ा बयान, भविष्य पर कही बात

मैनचेस्टर । इंग्लैंड के पूर्व तेज गेंदबाज डॉमिनिक कॉर्क मानते हैं कि आलराउंडर बेन स्टोक्स देश के महानतम क्रिकेटरों में से एक बनेगा। पिछले साल इंग्लैंड की विश्व कप जीत के नायक स्टोक्स ने यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ चल रहे दूसरे टेस्ट में 176 रन की शानदार पारी खेली जिससे टीम ने नौ विकेट पर 469 रन के मजबूत स्कोर पर पहली पारी घोषित की। कॉर्क ने कहा, 'मेरा सच में मानना है कि वह अपने काम करने के तरीके से बेहतर बन सकता है। वह बल्लेबाजी करना चाहता है, वह गेंदबाजी करना चाहता है, वह अपने खेल पर काम करना चाहता है, वह बेहतर होना चाहता है। उन्होंने कहा, 'मैं जानता हूं कि वह अपनी गेंदबाजी पर भी काफी ज्यादा मेहनत करता है। मुझे इस खिलाड़ी को देखकर लग रहा है कि वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ ही नहीं बल्कि हमारे पास जितने भी सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हुए हैं, उसमें से एक बनेगा। मैं उसे इतना ऊंचा आंकता हूं। पूर्व तेज गेंदबाज को लगता है कि तीन साल पहले ब्रिस्टल बार में लड़ाई की घटना के बाद इस विश्व कप नायक के लिए चीजें बेहतर ही हुई हैं। पिछले साल स्टोक्स ने खुद कहा था कि उस घटना और उससे जुड़े मामले उनके लिये सबसे अच्छा सबक रहा जिसके कारण उनके करियर के 15 महीने खराब हुए और इनके बाद वह खुद को बेहतर बनाने में सफल रहे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

अकेलेपन को करें एंजॉय

अकेलापन शायद ही किसी को अच्छा लगता हो, लेकिन यह भी सच ही है कि जो लोग ज्यादा सामाजिक होते हैं या फिर जिन्हें सामाजिकता से ज्यादा प्यार होता है, उनके पास अपने लिए भी वक्त नहीं होता है। लेकिन अगर आप ज्यादा सामाजिक नहीं हैं या फिर आप इससे दूर भागते हैं और अकेले हैं तो कोई बात नहीं। आप अपने अकेलेपन को भी एंजॉय कर सकते हैं। क्योंकि हर परिस्थिति हमेशा बुरी नहीं होती है। पूरी बात हमारे नजरिए पर निर्भर है कि हम क्या सोचते हैं। इसलिए अगली बार अकेलापन को सकारात्मक नजर से देखें।

सीखें खुद से प्यार करना...

जब आप अकेले रहते हैं तो आपने यह महसूस किया होगा कि आपके आस-पास कोई ?सा शख्स नहीं होता है कि जो आपको देख रहा हो। आप पूरी तरह से मुक्त होते हैं हर तरह के बंधन से। आप वो सारी चीजें कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं। पहले आप वो चीजें इसलिए नहीं कर पाते थे क्योंकि लोग आपके आस-पास रहते थे। लेकिन चूंकि आप अकेले हैं तो हर वो चीज करें जिसकी आपको ख्वाहिश थी। नाचे,गाएं,मनपसंद खाना खाएं। यह थोड़ा अजीब है लेकिन इसमें मजा आएगा। आप कहीं जाएं और लोगों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें कि वो क्या करते हैं (अक्सर लोगों को लगता है कि वो जो काम कर रहें हैं उसे कोई नोटिस नहीं कर रहा है) आप पार्क में या किसी मॉल में जाइए लोगों के व्यवहार को देखिए। आप पाएंगे कि हर व्यक्ति अलग-अलग लोगों से कैसे व्यवहार करता है। इस चीज में आपको मजा आएगा लेकिन अगर नहीं आता है तो कोई बात नहीं,किसी शांत और प्रकृतिमय जगह जाएं। जहां पशुओं-पक्षियों के व्यवहार को ऑब्जर्व करें,मजा आएगा।

...तो हो जाएं थोड़ा क्रिएटिव

अकेलेपन का यह मतलब बिल्कुल भी नहीं है कि आप लेजी हो जाएं,दिनभर सुस्ती के साथ बिस्तर पर लेटे रहें। बल्कि यही मौका होता है जब आप अपने अंदर की रचनात्मकता को निखार सकते हैं। अगर आपको कुकिंग का शौक है तो कोई डिश,जो आप रोज बनाते हैं उसे अलग तरीके से बनाइए। लिखने का शौक है तो क्यों न कुछ लिखें। अगर कोई विषय नहीं मिल रहा है तो अपने आपको केंद्रित करके भी कुछ लिख सकते हैं। तूलिका से अगर प्यार है तो आड़ी-टेढ़ी रेखाओं से ही सही कुछ तस्वीर ही खींच दें।

जा रही हैं ब्यूटी पार्लर...

आज ब्यूटी पार्लर जाना आम बात हो गई है पर कई बार हम वहां जाते तो हैं अपनी खूबसूरती में चार चांद लगवाने पर अनजाने में ढेर सारी बीमारियां साथ लेकर चले आते हैं। ब्यूटी के मामले में लापरवाही से काम लेना उचित नहीं है। जब भी पार्लर जाएं, वहां कुछ बातों का ध्यान रखें...

पेडीक्योर के समय

खतरा : फंगल इंफेक्शन, मस्से

सावधानी : पैर रखने वाले बरतन को अच्छी तरह से स्टरलाइज्ड करवाएं वरना पैरों में इंफेक्शन होने का भय रहता है। इस बात का ध्यान रखें कि क्यूटिकल स्टिक दोबारा इस्तेमाल आप पर न हो।

समाधान : पर्सनल झावां और क्यूटिकल स्टिक अपने साथ ले जाएं। ऐसे पार्लर पर जाएं जहां फ्रेश या एक ही बार इस्तेमाल की जाने वाली पेडी पैडल का उपयोग किया जाता है।

आई ब्रो बनवाते समय

खतरा : त्वचा रोग, हर्पीज

सावधानी : आई ब्रो निकालने के लिए चिमटी का इस्तेमाल किया जाता है। मामूली सी दिखने वाली चिमटी बहुत सारी बीमारियों से भरी होती है। जब ब्यूटी थेरेपिस्ट चिमटी का इस्तेमाल करे तो उससे चिमटी स्टरलाइज कर लेने को कहें, नहीं तो आप इंफेक्शन का शिकार हो सकती हैं।

समाधान : ब्यूटी पार्लर में यह जरूर चेक करें कि ट्रे में रखें टूल्स स्टरलाइज्ड है या नहीं। हो सके तो अपने सामने चिमटी को स्टरलाइज्ड करवाएं। चिमटी को खौलते पानी में उबाला गया है तो बेशक इसका इस्तेमाल करें। अपने साथ पर्सनल चिमटी ले जाएं।

जब फेशियल करवाएं

खतरा : इम्पेटिगो डर्माटाइटिस (त्वचा रोग)

सावधानी : कई लोगों द्वारा इस्तेमाल किए गए तौलिए से त्वचा में संक्रमण होने का खतरा रहता है। इसमें चेहरे पर सूजन या जलन हो सकती है। एक ही फेशियल प्रॉडक्ट्स को अंगुलियों में डुबोकर हर किसी के चेहरे पर लगाने से इंफेक्शन का खतरा रहता है।

समाधान : इस्तेमाल किए जाने वाले तौलिया या गाउंस साफ - सुथरी हों। दूसरों द्वारा इस्तेमाल न की गई हों। फेशियल करते वक्त थेरेपिस्ट को हाथों को अच्छे से धोने या हाथों पर दस्ताने चढ़ाने के लिए कहें। ध्यान रहे कि दस्ताने नए हों, पहले से काम में लिए न हों। थेरेपिस्ट के हाथों में घाव, सूजन या इंफेक्शन हो तो उससे फेशियल न करवाएं ताकि उसके हाथ से कीटाणु आपके शरीर में न पहुंचें।

वैक्सिंग के वक्त

खतरा : दाद, खाज या जलन

सावधानी : वैक्सिंग के वक्त जरूर चेक कर लें कि फ्रेश स्पैचुला का इस्तेमाल किया जा रहा है या नहीं।

समाधान : पार्लर वाली से नया स्पैचुला इस्तेमाल करने को कहें। तिल, मस्से, दाद, खुजली पर वैक्स न करवाएं।

नीम की पत्तियां निखारे त्वचा

नीम की पत्तियां आपको आसानी से हर जगह मिल जाएंगी। इनका इस्तेमाल भी मुश्किल नहीं है। आपको बस करना यह होगा...

नीम की पचास पत्तियों को दो लीटर पानी में डालकर खूब उबाल लें। उस उबले पानी को ठंडा करके एक बॉटल में रख लें। रोज नहाते वक्त उस पानी की थोड़ी मात्रा नहाने वाले पानी मिलाएं। त्वचा में कोई संक्रमण नहीं होगा।

नीम के इस पानी का उपयोग आप चेहरा साफ करने के लिए भी कर सकती हैं। रात में सोने से पहले एक कॉटन बॉल को नीम के पानी में डुबोएं उसके बाद उस पानी से चेहरे को साफ करें। ?सा करने से चेहरा तो साफ होगा, साथ ही मुंहासे और ब्लैकहेड्स की समस्या से भी छुटकारा मिलेगा। नीम की छाल और जड़ भी सेहत के लिहाज से बहुत प्रभावी होते हैं। इनका पाउडर बनाकर बालों में लगाने से रूसी और जूं की समस्या नहीं होती है। क्योंकि नीम अपने आप में एक बहुत ही अच्छा एंटीबैक्टेरियल होता है।

खूबसूरत मुलायम पैरों का सौंदर्य में उतना ही महत्व है जितना कि चेहरे का। चेहरे व शरीर के अन्य अंगों की तरह पैरों की भी देखभाल की जानी चाहिए। अपने दिनभर के रूटीन से थोड़ा सा समय निकाल कर पैरों की देखभाल में लगाएं और देखें कि आपके पैर कितनी जल्दी मुलायम और सुंदर बन जाते हैं।

फुरसत के समय या टीवी देखते समय अच्छी क्रीम या तेल के हल्के हाथों से गोलाई में पैरों की मालिश करें। थोड़ी देर में तेल त्वचा में रम जाएगा। इससे थके?हारे पैरों को आराम मिलेगा और रूखी त्वचा मुलायम बनी रहेगी। नहाते समय प्यूमिक स्टोन से पैरों की अच्छी तरह सफाई करें ताकि कटी?फटी त्वचा उतर जाए। नहाने के बाद कोई अच्छा बॉडी लोशन या क्रीम पैरों पर लगाएं।

पाँवों को भी है देखभाल की जरूरत

अगर पैरों में पसीना ज्यादा आता हो तो गुनगुने पानी में नींबू की कुछ बूंदें डालें। इसमें पैरों को डुबो कर रखें। पंद्रह मिनट के बाद पैरों को पोंछ लें। थोड़ी सी मुल्तानी मिट्टी में गुलाबजल डाल कर पेस्ट बनाकर पैरों पर पतली परत लगाएं और सूखने पर उसे धो लें। पसीने की समस्या से बचने के लिए पैरों पर अच्छी तरह पाउडर लगाकर जूते पहनें।

गर्म पानी में नमक डाल कर उसमें कुछ देर के लिए पैरों को डाल कर रखें। इससे थके पैरों को आराम मिलता है। मुल्तानी मिट्टी में थोड़ा सा दही डाल कर पेस्ट बना कर पैरों में लगा लें और सूखने पर धो दें। इससे पैर मुलायम हो जाएंगे। पैरों की त्वचा ज्यादा सूखी हो तो गुनगुने पानी में कुछ बूंदें जैतून के तेल की मिला लें। पंद्रह मिनट तक अपने पैरों को इसमें भिगो कर रखें फिर पोंछ कर किसी अच्छी क्रीम से मालिश करें।

पैरों को मुलायम बनाने के लिए मलाई में कुछ बूंदें नींबू की मिलाएं और इससे पैरों की मालिश करें। दो चम्मच ग्लिसरीन और एक चम्मच गुलाबजल में एक चम्मच नींबू का रस अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक बोतल में बंद करके रोज सोने से पहले लगाएं। इससे पैरों की त्वचा मुलायम बनी रहेगी।

आपके पैर ठंडे रहते हैं तो सोने से पहले जैतून के तेल से मालिश करें। पैरों के अंदर धंसे नाखूनों की समस्या उन्हें गलत ढंग से काटने से होती है। नाखूनों को सीधा और चौड़ाई में काटें। नेलपालिश लगे हुए पैर सुंदर लगते हैं पर बीच-बीच में नेलपालिश का प्रयोग बंद कर देना चाहिए ताकि नाखूनों का स्वाभाविक रंग बना रहे। लगातार कुर्सी पर बैठे रहने के कारण पैर खिंच जाते हों तो पैरों को क्लॉकवाइज और एंटी क्लॉकवाइज थोड़ी?थोड़ी देर में घुमाते रहें। जूते?चप्पल हमेशा सही माप के खरीदें जिससे आपके पैरों को उनमें पूरी जगह मिल सके। बहुत देर तक ऊंची एड़ी की सैंडलें नहीं पहनें इनसे थकान ज्यादा होती है और शरीर का संतुलन बिगड़ता है। अगर हील पहननी ही हो तो प्लेटफॉर्म हील ही खरीदें। नंगे पांव हरी घास पर टहलना भी पैरों के लिए लाभदायक होता है।

क्रांति समय

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

राजस्थान टेप कांडः कांग्रेस ने मांगा शेखावत का इस्तीफा, कहा- जांच में होगी आसानी

नेशनल डेस्क।

कांग्रेस ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत पर राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार को अस्थिर करने के षड्यंत्र में शामिल होने का आरोप लगाते हुए रविवार को उनके त्यागपत्र की मांग की। कांग्रेस नेता एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री अजय माकन ने कहा कि राज्य पुलिस के भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने पार्टी विधायक भंवरलाल शर्मा, गजेंद्र सिंह और संजय जैन की बातचीत के ऑडियो टेप के संबंध में एक मामला दर्ज किया है। माकन ने कहा कि जब गजेंद्र सिंह का नाम स्नद्धक्र में आ गया, जब उनकी आवाज जो कि सब लोग जानते-पहचानते हैं , उन लोगों ने भी पहचान कर ली तो क्या औचित्य है कि वह अभी भी केन्द्र सरकार में मंत्री पद पर बने हुए हैं? क्या उनको अधिकार है कि अभी भी वह केंद्र सरकार के मंत्री पद पर बने रहे? उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी इसलिए यह मांग करती है कि गजेंद्र सिंह शेखावत को या तो इस्तीफा देना चाहिए या उनको तुरंत प्रभाव से हटा दिया जाना चाहिए ताकि वह जांच में हस्तक्षेप ना कर सकें। माकन ने कहा कि दिल्ली की पुलिस और हरियाणा पुलिस भंवर लाल शर्मा और विश्वेन्द्र सिंह का आवाज का नमूना लेने से क्यों रोक रही है। उन्होंने कहा कि जितना आप रोक रहे हो यकीनन लोगों के दिमाग में यह तय होता जा रहा है कि इसके अंदर किसी ना किसी तरह की मिली भगत है और यह इन्हीं की आवाज है और यह धीरे-धीरे साबित होता जा रहा है। उन्होंने कहा कि क्या केन्द्र सरकार की धमकी इसलिए दे रही है कि इसके अंदर और भी बड़े बड़े लोग शामिल है। इसके अंदर और नेता भी है और अगर धीरे धीरे यह जांच और ऊपर जायेगी तो पता नहीं कहां पर खत्म होगी तो क्या इसलिए की धमकी दी जा रही है। माकन ने कहा कि क्या भाजपा को यह नहीं बताना चाहिए कि इतना काला धन कहां से आ रहा है। इतना सारा पैसा 30 करोड़-35 करोड़ प्रति विधायक की बात हो रही है.. इतना सारा कालाधन कहां से आ रहा है और कौन मुहैया करा रहा है। माकन ने कहा कि शेखावत को एक मिनट भी अपने पद पर बने रहने की नैतिक अधिकार नहीं है और इसी वक्त उन्हें इस्तीफा देना चाहिए नहीं तो केन्द्र सरकार को उनको हटाना चाहिए। उन्होंने कहा कि शेखावत को अपनी आवाज का नमूना देना चाहिए ताकि यह पता चल सके कि जो आवाज ऑडियो टेप में है ये वहीं गजेंद्र सिंह है या नहीं है।

असमः बाढ़ से 27 लाख से ज्यादा लोग प्रभावित, काजीरंगा नेशनल पार्क में 90 जानवरों की मौत

नेशनल डेस्क।

असम में बाढ़ की स्थिति में मामूली सुधार हुआ है लेकिन राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 79 हो गई है। शनिवार की शाम तीन लोगों की मौत बाद राज्य में बाढ़ से मरने वालों की संख्या बढ़कर 79 हो गई है। वहीं इस बाढ़ से इंसानी जन-जीवन ही नहीं बल्कि जीव-जंतु भी प्रभावित हैं। इस बार बरसात के मौसम में काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान में 90 पशुओं की जान चली गई जबकि 96 वन्य जीवों को बाढ़ से बचाया गया है। असम राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि बाढ़ प्रभावित आबादी की संख्या शुक्रवार शाम 35 लाख से घटकर 27,63,719 हो गई है। इसी तरह बाढ़ प्रभावित जिले दो कम हो कर 26 हो गए है। इनमें 79 मंडल और 2678 गांव तथा इलाके शामिल हैं। राज्य में चार जगहों पर ब्रह्मपुत्र सहित छह प्रमुख नदियां खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। राज्य में कुल मिलाकर 290 राहत शिविर अभी भी चल रहे हैं जिनमें 47,000 विस्थापित लोगों को आश्रय दिया गया हैं। इसके अलावा 359 अतिरिक्त राहत वितरण केंद्र भी चल रहे हैं। बुलेटिन के अनुसार राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन और राज्य आपदा प्रबंधन ने विभिन्न प्रभावित इलाकों के पिछली शाम 500 से अधिक लोगों को बचाया। असम के 33 जिलों में से 26 में 27.64 लोग बाढ़ से प्रभावित है। यहां बाढ़ के कारण मकान क्षतिग्रस्त हो गए, फसलें तबाह हो गईं और कई स्थानों पर सड़कें और पुल टूट गए।

जी-20 में बोली निर्मला सीतारमण, कोरोना से निपटने के लिए हम सब प्रतिबद्ध

इंटरनेशनल डेस्क। जी-20 देशों ने वैश्विक महामारी कोरोना वायरस संकट के बीच लोगों की जिंदगी बचाने और उनकी आय के साधनों का संरक्षण करने को लेकर प्रतिबद्धता जताई है। वहीं इस दौरान वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने कहा कि जी-20 की कार्रवाई योजना जी-19 महामारी से निपटने की सामूहिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। संकट के बीच यह तार्किक और प्रभावी बनी रहनी चाहिए। त्न-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की शनिवार को हुई बैठक के बाद एक संयुक्त वक्तव्य जारी कर यह प्रतिबद्धता जताई गयी। वक्तव्य के मुताबिक त्न-20 देशों ने कहा कि हम लोगों के जीवन, नौकरियों और आय की सुरक्षा के लिए सभी उपलब्ध एवं संभव नीतियों को अपनाने को लेकर प्रतिबद्ध हैं। यह वैश्विक अर्थव्यवस्था को बचाने और वित्तीय प्रणाली को बनाए रखने के लिए आवश्यक है। जी-20 देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की यह तीसरी बैठक वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये हुई। वक्तव्य के मुताबिक, ''समावेशी विकास को बढ़ावा देने के लिए हम अपनी प्रतिबद्धताओं को दोहराते हुए आश्वासन देते हैं कि असमानताओं को कम करने के अपने प्रयासों को जारी रखेंगे। कोरोना से प्रभावित समाज के वंचित तबके की मदद करने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे। त्न-20 समूह के देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक के गवर्नरों की अगली बैठक अक्तूबर 2020 में होगी।

सचिन पायलट ने किया ट्वीट, बाढ़ पीड़ित असम-बिहार की करें मदद

नई दिल्ली। राजस्थान के पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट ने शनिवार को सभी भारतीयों से असम तथा बिहार के बाढ़ पीड़ितों की मदद के प्रयासों में योगदान देने की अपील की। राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार के खिलाफ खुलकर सामने आने के बाद शुरू हुई सियासी उठापटक के बीच पायलट को उपमुख्यमंत्री पद तथा प्रदेश अध्यक्ष पद से हटा दिया गया था। पायलट ने ट्वीट किया, ''असम तथा बिहार में बाढ़ से प्रभावित परिवारों के लिए मैं प्रार्थना करता हूं। सिर्फ असम में ही 68 से अधिक लोगों की मौत हो गई तथा 36 लाख लोग प्रभावित हैं। उन्होंने लिखा, ''मैं सभी भारतीयों से अपील करता हूं कि वे एक साथ आएं और भयंकर बाढ़ से प्रभावित लोगों की मदद के प्रयासों में योगदान दें। दोनों पदों से 14 जुलाई को हटाए जाने के बाद बीते चार दिनों में यह उनका पहला ट्वीट है। पद से हटाने के बाद पायलट ने मंगलवार को ट्वीट किया था, ''सत्य परेशान हो सकता है, पराजित नहीं ।

कोरोना संकट में आगे आई सिख संस्था, दिल्ली में शुरु की मुफ्त एंबुलेंस सुविधा

नेशनल डेस्क।

दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधक कमेटी (डीएसजीएमसी) ने राष्ट्रीय राजधानी में महामारी के समय परिवहन सुविधा में सहयोग करने के लिए कोविड-19 रोगियों के लिए निशुल्क एम्बुलेंस सेवा शुरू की है। सिख संस्था ने कहा कि सहयोग करने के लिए पहले चरण में, ''अत्याधुनिक चिकित्सा सुविधाओं वाली 12 एम्बुलेंस की सेवा दी जा रही हैं। डीएसजीएमसी के अध्यक्ष, मनजिंदर सिंह सिरसा ने कहा कि आवश्यकता पड़ने पर और एम्बुलेंस उपलब्ध कराई जाएंगी। वर्तमान में यह एम्बुलेंस सेवा उत्तर, दक्षिण, पूर्व, पश्चिम और मध्य दिल्ली में उपलब्ध है। डीएसजीएमसी के अनुसार कोविड-19 रोगी इस सुविधा को उपयोग करने के लिए पश्चिमी दिल्ली म 9811992175/981867675 7, पूर्वी दिल्ली में 9899511581/852715430 2, दक्षिण दिल्ली में 8010471440/995333330 7 और उत्तरी दिल्ली में 9868741345/858794479 4 पर संपर्क कर सकते हैं।आपातकालीन स्थितियों में मरीज 9891403828/995308692 3 डायल कर केंद्रीय नियंत्रण कक्ष में ससंपर्क कर सकते हैं। इसके अलावा मुफ्त परिवहन के लिए

निकटतम डीएसजीएमसी द्वारा संचालित गुरुद्वारे से संपर्क कर सकते हैं। सभी एंबुलेंस संक्रमण की रोकथाम के लिए जारी किए गए सरकारी दिशानिर्देशों के अनुसार मास्क और सैनिटाइजर सहित सभी आवश्यक सुरक्षात्मक उपकरणों से सुसज्जित हैं। इससे पहले, सिख संस्था ने एम्स, सफदरजंग अस्पताल, राम मनोहर लोहिया, लेडी हार्डिंग अस्पताल, गुरुद्वारा रकाब गंज, गुरुद्वारा मोती बागकाब गंज, गुरुद्वारा मोती बाग और गुरुद्वारा बंगला साहिब में कोविड-19 ड्यूटी पर तैनात लगभग 200 डॉक्टरों और स्वास्थ्यकर्मियों को आवास की व्यवस्था की है।

कोरोना का डरावना रूप, बेंगलुरु में श्मशान घाट पर अंतिम संस्कार के लिए लंबा इंतजार

नेशनल डेस्क।

कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु में कोरोना का भयावह रूप देखने को मिल रहा है। बेंगलुरु में कोरोना से इतनी मौतें हुई हैं कि इलेक्ट्रिक शव दाह गृह में अंतिम संस्कार के लिए लंबी लाइन लग गई। इतना ही नहीं शहर के अलग-अलग इलाकों से आ रहीं एंबुलेंस को भी लाइन में लग कर इलेक्ट्रिक शव दाह गृह के बाहर अपनी बारी का इंतजार करना पड़ रहा है ताकि वो अंदर जा सकें और डेड बॉडी को उतार सकें। इलेक्ट्रिक शव दाह गृह में काम करने वाले लोगों का कहना है कि कोरोना से हुई मौत की बॉडी का अंतिम संस्कार करने के बाद दूसरे शव को लाने के बीच कुछ वक्त लगता है इसलिए इतना समय लग रहा है। बृहत बैंगलोर महानगर पालिका के आंकड़ों के मुताबिक क्षेत्र में 1 मई 2020 से लेकर 17 जुलाई 2020 तक करीब 4278 लोगों की मौत हुई है। इन आंकड़ों के मुताबिक मरने वालों की संख्या में कोरोना के अलावा दूसरी मौतें भी शामिल हैं। बता दें कि कर्नाटक में कोरोना से संक्रमित कुल मरीजों की संख्या 59652 तक पहुंच गई है और कुल 1240 लोगों की मौत हुई है। वहीं अबतक 21775 लोग कोरोना से ठीक भी हो चुके हैं।

कोविड-19: एम्स के पैनल ने कोवाक्सिन के मानव परीक्षण की दी मंजूरी

नई दिल्ली।

एम्स की आचार समिति ने कोविड-19 के स्वदेश विकसित टीके 'कोवाक्सिन के मानव पर परीक्षण की शनिवार को अनुमति दे दी। अब इसके लिए एम्स परीक्षण में स्वेच्छा से शामिल होने के इच्छुक स्वस्थ लोगों का सोमवार से पंजीयन शुरू करेगा। कोवाक्सिन के मानव पर पहले और दूसरे चरण के परीक्षण के लिए भारतीय चिकित्सा अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने दिल्ली स्थित एम्स समेत 12 संस्थानों का चयन किया है। पहले चरण में टीके का 375 लोगों पर परीक्षण किया जाएगा जिनमें से अधिकतम 100 लोग एम्स से हो सकते हैं। एम्स में सेंटर फॉर कम्युनिटी मेडिसीन में प्रोफेसर डॉ. संजय राय ने बताया, ''एम्स की आचार समिति ने कोवाक्सिन का मानव परीक्षण शुरू करने की आज मंजूरी दे दी। इस परीक्षण में स्वस्थ लोगों को शामिल किया जाएगा जिन्हें कोई और रोग नहीं है, जो कोविड-19 से पीड़ित नहीं रहे हैं और जिनकी आयु 18 वर्ष से अधिक तथा 55 वर्ष से कम है। उन्होंने बताया, ''कुछ लोग इस परीक्षण के लिए पहले ही पंजीयन करवा चुके हैं। अब हर व्यक्ति की जांच, सेहत आदि का आकलन करने का काम सोमवार से शुरू होगा जिसके बाद ही टीका परीक्षण किया जाएगा। परीक्षण में शामिल होने के इच्छुक लोग एम्स की वेबसाइट पर जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। कोवाक्सिन को हैदराबाद की भारत बायोटेक ने आईसीएमआर तथा राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान के साथ मिलकर विकसित किया है। इसके मानव परीक्षण की मंजूरी भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई) ने हाल में दी थी।

इक बंगला बना न्याराः वसुंधरा राजे के पक्ष में केस लड़ रही गहलोत सरकार

नेशनल डेस्क।

जब भाजपा पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि वह राजस्थान में अशोक गहलोत सरकार को गिराना चाहती है, ऐसे समय में राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे पर यह आरोप लगाए जा रहे हैं कि उन्होंने गहलोत सरकार को बचाने के लिए कुछ विधायकों को फोन किए थे। अशोक गहलोत और वसुंधरा राजे चाहे कहने को राजनीतिक प्रतिद्वंद्वी हैं परंतु गहलोत सरकार उन पर पहले दिन से ही मेहरबान रही है। इतनी अधिक मेहरबान कि वह उनके पक्ष में अदालत में केस तक लड़ रही है। कहानी बड़ी रोचक है। मुद्दा यह है कि वसुंधरा राजे जयपुर के सिविल लाइंस में बंगला नंबर-13 में रह रही हैं। अदालत में कानूनी लड़ाई यह चल रही है कि क्या मुख्यमंत्री पद गंवा चुकी वसुंधरा राजे को इस भव्य बंगले में रहने का अधिकार है या उनसे यह बंगला खाली करवा लिया जाना चाहिए। फरवरी में गहलोत सरकार ने हाईकोर्ट में एक अवमानना याचिका पर अपना जवाब दाखिल करते हुए कहा था कि वसुंधरा राजे एक विधायक के रूप में इस बंगले में रह रही हैं। उल्लेखनीय है कि हाईकोर्ट ने 4 सितम्बर, 2019 को फैसला सुनाया था कि कोई भी पूर्व मुख्यमंत्री सरकारी बंगले तथा उससे जुड़ी सुविधाओं का हकदार नहीं है। हाईकोर्ट के इस फैसले को जनवरी में सुप्रीम कोर्ट ने भी मान्य किया था। इसी फैसले को आधार बनाते हुए मिलाप चंद डांडिया नामक व्यक्ति ने अपने वकील के माध्यम से हाईकोर्ट में गहलोत सरकार के खिलाफ याचिका देकर वसुंधरा राजे को बंगला देने को चुनौती दी थी। हाईकोर्ट ने अपने आदेश में वसुंधरा राजे सरकार द्वारा 2017 में राजस्थान मंत्री वेतन (संशोधन) अधिनियम में किए गए उस संशोधन को निरस्त कर दिया था जिसमें पूर्व मुख्यमंत्री को एक बंगला, कार, टैलीफोन, 9 सदस्यों का स्टाफ रखने का अधिकार प्रदान किया गया था। वसुंधरा राजे सरकार के खिलाफ हाईकोर्ट के इस फैसले को बाद में गहलोत सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी परंतु 6 जनवरी को शीर्ष अदालत ने अपील को निरर्थक मानते हुए उसे खारिज कर दिया था। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद गहलोत सरकार ने पूर्व मुख्यमंत्री जगन्नाथ पहाड़िया से बंगला नंबर 5 खाली करवा लिया था, परंतु ऐसा समझा जाता है कि बंगला खाली करने का वैसा नोटिस वसुंधरा राजे को नहीं दिया था। गहलोत सरकार ने हाईकोर्ट में कहा कि उसकी ओर से कोई अवमानना नहीं की गई है क्योंकि वसुंधरा राजे के सारे स्टाफ को जनवरी में हटाकर वापस उनके मूल विभागों में भेज दिया गया है। इसके अलावा वसुंधरा व पहाड़िया ने अपनी कारें (ड्राइवर समेत) तथा अन्य सुविधाएं भी लौटा दी हैं। याचिकाकर्त्ता मिलाप चंद डांडिया का अदालत में कहना है कि हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद वसुंधरा से अब तक बंगला नहीं खाली हाईकोर्ट के आदेश के बावजूद वसुंधरा से अब तक बंगला नहीं खाली करवाया गया इसलिए हाईकोर्ट के आदेश के समय से जब तक कि वसुंधरा राजे बंगला खाली नहीं कर देतीं, तब तक नियमानुसार प्रतिदिन 10,000 रुपए का जुर्माना लगाया जाना चाहिए।

सावन के तीसरे सोमवार भक्त नहीं कर पाएंगे महाकालेश्वर के दर्शन

नेशनल डेस्क। सावन का पवित्र महीना चल रहा है। इस महीने भगवान शिव को जल और दूध अर्पित करना काफी शुभ माना जाता है। मध्यप्रदेश में उज्जैन के विश्व प्रसिद्ध महाकालेश्वर मंदिर में इन दिनों काफी धूम होती है लेकिन इस बार कोरोना के चलते ज्यादा लोगों को दर्शनों की अनमुति नहीं है। वहीं महाकालेश्वर मंदिर की प्रबंध समिति ने कोरोना वायरस के फैलने के डर से अन्य राज्यों के श्रद्धालुओं को सोमवार(20 जुलाई) से मंदिर में प्रवेश की अनुमति नहीं देने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल से लगभग 175 किलोमीटर दूर धार्मिक नगरी उज्जैन में स्थित महाकालेश्वर मंदिर, भगवान शिव के देश के 12 ज्योर्तिलिंगों में से एक है। यहां हर साल देश विदेश से लाखों लोग दर्शन करने के लिए आते हैं। मंदिर के प्रशासक सुजान सिंह रावत ने शनिवार को कहा कि यह देखा गया है कि अन्य राज्यों से आने वाले भक्तों से कोरोना वायरस फैलने का डर है। प्रदेश में ष्ट्श1द्बस्र-19 के बढ़ते मामलों के बाद सोमवार से अन्य राज्यों से आने वाले भक्तों के मंदिर में प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने का निर्णय लिया गया है। उन्होने कहा कि सावन का महीना होने के कारण राज्य के बाहर से बड़ी संख्या में श्रद्धालु यहां आ रहे हैं। सावन में शिव भक्त पूरे माह उनकी पूजा करते हैं। रावत ने बताया कि इन दिनों ऑनलाइन बुकिंग के माध्यम से प्रतिदिन 8,000 लोगों को मंदिर में प्रवेश दिया जा रहा है। उन्होंने भक्तों से सोशल मीडिया के ऑनलाइन प्लेटफार्म तथा मंदिर की वेबसाइट के जरिये महाकालेश्वर की प्रार्थना तथा दर्शन करने का आग्रह किया है।

संक्षिप्त समाचार

दिल्ली में आफत की बारिश, केजरीवाल बोले- ये वक्त एक दूसरे पर आरोप लगाने का नहीं

नेशनल डेस्क। दिल्ली में रविवार तड़के कई क्षेत्रों में हुई भारी बारिश और नयी दिल्ली में मिंटो ब्रिज पुल के नीचे पानी भर जाने से एक वाहन चालक की उसमें फंसकर मौत हो जाने की घटना पर मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने दुख जताया। उन्होंने कहा कि इस वर्ष सभी एजेंसियां कोरोना नियंत्रण में लगी हुई थी और यह वक्त एक दूसरे पर दोषारोपण करने का नहीं है। केजरीवाल ने इस घटना के बाद ट्वीट किया कि मिंटो ब्रिज से जलभराव निकाल दिया गया है। सुबह से ही मैं एजेंसियों के संपर्क में था और वहां से पानी हटाने की प्रक्रिया मॉनिटर कर रहा था। दिल्ली में ऐसे और भी स्थानों पर हम नजर रखे हुए हैं। जहां भी पानी इकट्ठा हुआ है उसे तुरंत पम्प किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने आगे लिखा कि इस साल सभी एजेंसियां, चाहे वो दिल्ली सरकार की हो अथवा एमसीडी की, सभी कोरोना नियंत्रण में लगी हुई थी। कोरोना की वजह से उन्हें कई कठिनाइयां आयीं। ये वक्त एक दूसरे पर दोषारोपण का नहीं है। सबको मिल कर अपनी जिम्मेदारियां निभानी है। जहां जहां पानी भरेगा, हम उसे तुरंत निकालने का प्रयास करेंगे। इससे पहले मौके पर पहुंचे उत्तरी दिल्ली नगर निगम के महापौर जयप्रकाश ने इस हादसे के लिये दिल्ली सरकार को दोषी ठहराया। उन्होंने कहा कि इस तरह के हादसे तब तक होते रहेंगें जब तक कि दिल्ली सरकार अपना गैर जिम्मेदाराना रवैये नहीं छोड़ देतीं। महापौर ने कहा कि केजरीवाल को इसकी जिम्मेदारी लेनी चाहिए और मृतक के परिजनों के लिए सहायता राशि की घोषणा करनी चाहिए। सरकार को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ऐसी घटनाएं दोबारा न हों।

कोरोना वायरस बदल रहा रूप इसके नए लक्षण

नेशनल डेस्क। दुनियाभर में कहर बरपाने वाले कोरोना वायरस ने भारत में अब विकराल रूप ले लिया है। देश में अब हर रोज तीस हजार से अधिक केस सामने आ रहे हैं, यानी हर चौथे दिन में आंकड़ा करीब एक लाख केस तक बढ़ रहा है। भारत दुनिया में ऐसा तीसरा देश है, जहां कुल मामलों की संख्या 10 लाख से अधिक है। अभी अमेरिका और ब्राजील में ही इससे अधिक केस हैं। हालांकि राहत की बात ये है कि संक्रमण बढ़ने के साथ ही भारत में कोरोना संक्रमित मरीजों के ठीक होने का आंकड़ा भी तेजी से बढ़ रहा है। मगर जैसे-जैसे समय बीत रहा है, कोरोना संक्रमण के भी नए लक्षण सामने आ रहे हैं। जानिए क्या हैं ये लक्षण और कोरोना संक्रमण से जुड़े कुछ अन्य महत्वपूर्ण सवालों के जवाब।

महाराष्ट्र में 3 लाख के पार हुए कोरोना के मामले, 11,596 की मौत

मुंबई। महाराष्ट्र में शनिवार को कोविड-19 के 8,348 नये मामले सामने आने के बाद मामलों की कुल संख्या तीन लाख के पार पहुंच गई। राज्य के स्वास्थ्य विभाग ने यह जानकारी दी। विभाग ने एक बयान में बताया कि संक्रमण से 144 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतकों की संख्या बढ़कर 11,596 पहुंच गई है। बयान के अनुसार राज्य में अब मामलों की कुल संख्या 3,00,937 हो गई है। राज्य में आज कुल 5,306 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पतालों से छुट्टी दे दी गई जिससे ठीक हुए लोगों की संख्या अब 1,65,663 हो गई है। बयान में कहा गया है कि महाराष्ट्र में अभी 1,26,926 मरीजों का इलाज चल रहा है।

नाबालिग ने दिया बच्चे को जन्म, रेप के आरोपी 84 साल के बुजुर्ग का होगा डीएनए टेस्ट

कोलकाता। सुप्रीम कोर्ट ने नाबालिग के रेप के आरोपी एक 84 साल के बुजुर्ग के टेस्ट का आदेश दिया है। कोर्ट ने आदेश दिया है कि बच्चे के पिता का पता लगाने को बच्चे और आरोपी दोनों का डीएनए टेस्ट कराया जाए। दरअसल, ये घटना पश्चिम बंगाल के मटिगरा इलाके की है, जो 2012 में हुई थी। 14 साल की लड़की से रेप का आरोपी 84 साल का बुजुर्ग है। रेप के बाद लड़की ने एक बच्चे को जन्म दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने बच्चे के पिता का पता लगाने को बच्चे और आरोपी दोनों का डीएनए टेस्ट करा कर मिलान करने को कहा है। सीनियर वकील कपिल सिब्बल ने आरोपी के बचाव में उसकी उम्र और सेहत का हवाला देते हुए उसके रेप के नाकाबिल होने की दलील दी थी। कोलकाता हाईकोर्ट से जमानत अर्जी खारिज होने के बाद जमानत के लिए अर्जी सुप्रीम कोर्ट आई। जस्टिस अशोक भूषण की अगुआई वाली बेंच ने ये आदेश दिया है। घटना के समय आरोपी 76 साल का था। मालूम हो कि ये मामला पहले भी चर्चा में आ चुका है। फिलहाल ये अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया। अब दोनों के ष्ठ्ठ टेस्ट बाद ही पता चलेगा कि मामले में आगे क्या होगा।

ऑफ द रिकॉर्डः ...तो गैंगस्टर विकास दुबे कानपुर से भागकर इसलिए पहुंचा था उज्जैन

नई दिल्ली। कानपुर के बिकरू गांव में उत्तर प्रदेश के आठ पुलिस अधिकारियों व कर्मचारियों की हत्या करने वाले गैंगस्टर विकास दुबे ने बचते-बचाते मध्य प्रदेश के उज्जैन जाकर ही क्यों आत्मसमर्पण किया? इसके पीछे बड़ी रोचक कहानी सामने आई है। विकास दुबे और उसके गैंग के खिलाफ 64 आपराधिक मामले दर्ज थे तथा यू.पी. में चाहे किसी की भी सरकार आई-गई, उसके काले कारनामे फलते-फूलते रहे। सत्ता में आने के बाद योगी सरकार ने भी तीन साल तक कुछ नहीं कहा परंतु उसको भी इस तरह हाथ पर हाथ धरे बैठे रहने की कीमत आठ पुलिसकर्मियों की जान से चुकानी पड़ी। लेकिन विकास दुबे ने इन पुलिसकर्मियों की हत्या करके स्वयं अपनी मौत को दावत दे दी थी। कारनामा करने के बाद वह और उसके गैंग के लगभग 20 सदस्य अपनी जान बचाने के लिए इधर-उधर भाग निकले। विकास दुबे भागते हुए उज्जैन जा पहुंचा। लाख टके का सवाल है कि इस गैंगस्टर ने महाकाल की इस नगरी को ही क्यों चुना? यह बात सामने आई है कि विकास दुबे ने बिचौलियों के जरिए मध्य प्रदेश के ताकतवर भाजपा मंत्री नरोत्तम मिश्रा से संपर्क किया। दुबे ने एक ही मांग की थी कि उसे आत्मसमर्पण करने की अनुमति दी जाए तथा पुलिस उसे लेकर जिला मजिस्ट्रेट के समक्ष आत्मसमर्पण के लिए पेश करे। नरोत्तम मिश्रा कभी उत्तर प्रदेश के कानपुर में भाजपा के प्रभारी हुआ करते थे।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ब्रिटिश क्वीन एलिजाबेथ की ड्रेस पहनकर राजकुमारी बीट्रिस ने रचाई शादी

लंदन।

ब्रिटेन की राजकुमारी बीट्रिस ने अपनी दादी महारानी एलिजाबेथ द्वितीय की एक विंटेज पोशाक पहनकर एडुआर्डो मापेली मोज्जी से शादी रचाई। बकिंघम पैलेस ने बेहद निजी एवं सादे तरीके से हुई इस शादी की आधिकारिक तस्वीरें जारी की हैं। महारानी की पोती और प्रॉपर्टी कारोबारी ने विंडसर के रॉयल लॉज में रॉयल चैपल ऑफ ऑल सेंट्स में शादी की। दूल्हे और दुल्हन के माता-पिता तथा भाई-बहनों के अलावा 94 वर्षीय ब्रिटिश महारानी और उनके पति प्रिंस फिलिप (99) शादी में शामिल हुए। पैलेस ने शनिवार को कहा कि शादी समारोह में कोविड-19 को फैलने से रोकने के लिए तय दिशा निर्देशों का पालन किया गया। बीट्रिस (31) ने नोर्मन हार्टनेल की हाथी दांत के रंग की पोशाक और सिर पर हीरे का ताज पहना, जो महारानी ने 1947 में अपनी शादी में पहना था। वहीं 36 वर्षीय दूल्हे ने मॉर्निंग सूट पहना। प्रिंस एंड्रयू और उनकी पूर्व पत्नी सारा फर्ग्युसन की बेटी बीट्रिस पहले 29 मई को मापेली मोज्जी से शादी करना चाहती थी, लेकिन कोरोना वायरस महामारी के कारण यह शादी टल गई। इस शादी पर एंड्रयू की अमेरिका के यौन अपराधी जेफरी एप्स्टीन के साथ दोस्ती को लेकर उठे सवालों के कारण भी संकट के बादल गहराए। अमेरिकी अधिकारियों द्वारा एप्स्टीन के बारे में पूछताछ करने की मांग के बीच प्रिंस ने अपनी शाही जिम्मेदारियां निभाना बंद कर दिया था। यौन तस्करी के आरोपी एप्स्टीन की अगस्त 2019 में न्यूयॉर्क की एक जेल में मौत हो गई थी।

इमरान की पार्टी ने उड़ाई पाकिस्तान एयरलाइन्स की धज्जियां, कहा-स्टाफ करता है स्मगलिंग

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन्स के पायलटों के फर्जी लाइसेंस मामले के बाद अब एक नया खुलासा हुआ है जिससे की मुश्किलें बढ़ती नजर आ रही हैं। अब इमरान खान की पार्टी तहरीक-ए-इंसाफ ने की धज्जियां उड़ाते हुए स्टाफ पर तस्करी के गंभीर आरोप लगाए हैं । मई महीने में कराची प्लेन क्रैश के बाद से ही पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइन्स को लेकर नए खुलासे हो रहे हैं। इससे पहले देश के उड्डयन मंत्री सरवर खान ने आरोप लगाया था कि में करीब 40 प्रतिशत पायलट फर्जी होते हैं। एक टीवी चैनल से बातचीत के दौरान प्रवक्ता से सवाल किया गया था कि क्या पायलटों के फर्जीवाड़े का आरोप लगाने से दुनिया में मजाक नहीं बना है। इस पर उन्होंने कहा कि ऐसे नहीं है। उन्होंने कहा कि हमारा क्रू तस्करी माफिया के साथ शामिल है जिसमें ड्रग्स, करंसी, सोने की तस्करी शामिल है। हमारे पायलट पकड़े भी जाते हैं और उनके ऊपर आरोप भी लगते हैं। पार्टी प्रवक्ता ने कहा है कि यह आरोप वह नहीं लगा रही हैं बल्कि ऐसे वाकये पहले रिपोर्ट हुए हैं। इससे पहले कराची क्रैश के बाद सरवर खान ने कहा था कि पिछले साल एक जांच में पता चला था कि पाकिस्तान के 860 ऐक्टिव पायलट्स में से 262 पायलट्स के पास या तो फर्जी लाइसेंस थे या उन्होंने अपने एग्जाम में नकल की थी। उन्होंने कहा कि इन पायलट्स ने न कभी एग्जाम दिया होता है और न इनके पास प्लेन उड़ाने का

सही अनुभव होता है। खान ने कहा कि दुर्भाग्य से पायट्स की नियुक्ति राजनीतिक आधार पर होती है। उन्होंने बताया कि 4 पायलट्स की डिग्री फर्जी पाई गई है और नियुक्ति के वक्त मेरिट को नजरअंदाज कर दिया जाता है।

ट्रंप टावर के बाहर लिखे 'ब्लैक लाइव्स मैटर पर 2 महिलाओं ने डाला काला पेंट

न्यूयॉर्क।

अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर स्थित ट्रंप टावर के बाहर सड़क पर पीले रंग से लिखे गए 'ब्लैक लाइव्स मैटर को एक सप्ताह में तीसरी बार विरूपित किया गया है। पुलिस ने बताया कि ट्रंप टावर के बाहर सड़क पर लिखे 'ब्लैक लाइव्स मैटर पर 2 महिलाओं ने काला पेंट फेंका। उन्हें शनिवार अपराह्न करीब 3 बजे गिरफ्तार किया गया। एक वीडियो में दिख रहा है कि पुलिस अधिकारी एक महिला को घेरे हुए हैं और वह चमकते पीले अक्षरों पर पेंट रगड़ रही है और चिल्ला रही है, ''उन्हें काले लोगों के जीवन की परवाह नहीं । पुलिस ने बताया कि इस पेंट पर एक अधिकारी फिसल कर गिर गया, जिससे उसके सिर और बाजू पर चोट लग गई। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है और उसकी हालत स्थिर है। पुलिस विभाग के प्रवक्ता ने बताया कि महिलाओं के नाम और उनके खिलाफ लगाए जाने वाले संभावित आरोपों पर कोई सूचना तत्काल उपलब्ध नहीं है। शहर पुलिस संघ 'पुलिस बेनेवोलेंट एसोसिएशन ने ट्वीट किया, ''शुक्र है कि हमारा भाई ठीक है, लेकिन इस बेवकूफी को रोके जाने की आवश्यकता है। हमारा शहर संकट में है। सड़क पर पेंट लगाने से किसी का भला नहीं होगा। पुलिस ने बताया कि इस घटना से 24 घंटे से भी कम समय पहले तीन लोगों ने सड़क पर लिखे 'ब्लैक लाइव्स मैटर पर नीला पेंट डाला था और इससे पहले शुक्रवार को एक महिला ने इस पर कागज फेंके थे।

नेपाल में सियासी घमासान जारीः प्रधानमंत्री ओली-प्रचंड के बीच 4 घंटे लंबी चली बैठक रही बेनतीजा

इंटरनेशनल डेस्क।

चीन के उकसावे में आकर भारत के खिलाफ टिप्पणी करके नेपाल के प्रधानमंत्री के.पी.शर्मा ओली मुसीबत में फंसे हुए हैं। यहां सियासी घमासान के चलते ओली और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दहल प्रचंड के बीच खींचतान बढ़ गई है। दोनों नेताओं के बीच तनाव समाप्त करने के लिए शनिवार को सत्तारूढ़ कम्युनिस्ट पार्टी की सर्वोच्च संस्था की बैठक चार घंटे की लंबी चर्चा के बाद भी बेनतीजा समाप्त हो गई। पार्टी के वरिष्ठ नेता गणेश शाह के अनुसार नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी (एनसीपी) की 9 सदस्यीय केंद्रीय सचिवालय की बैठक के दौरान कोई नतीजा नहीं निकला, हालांकि पार्टी नेताओं ने रविवार की स्थायी समिति की बैठक के दौरान पेश किए जाने वाले एजेंडा पर चर्चा की। पार्टी प्रवक्ता एन श्रेष्ठ ने बैठक के बाद कहा कि बैठक में पार्टी के वरिष्ठ नेताओं ने आम सहमति से मुद्दों का हल किए जाने पर सहमति व्यक्त की। जबकि रविवार को होने वाली 45 सदस्यीय स्थायी समिति की बैठक से पहले दोनों नेताओं के पार्टी के शीर्ष निकाय के सम्मेलन के लिए सहमत होने पर नेपाली कम्युनिस्ट पार्टी ने सचिवालय की बैठक बुलाई। रविवार को होने वाली स्थायी समिति की बैठक दोपहर बाद तीन बजे शुरू होगी। पार्टी के भीतर कलह को समाप्त करने के लिए ओली और प्रतिद्वंद्वी गुट की अगुवाई कर रहे प्रचंड को बातचीत के लिए और समय देने के वास्ते स्थायी समिति की बैठक रविवार तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। स्थायी समिति की बैठक रविवार तक के लिए स्थगित कर दी गई थी। इससे पहले हुई बैठकों में ओली ने प्रचंड नीत धड़े की मांग पर एनसीपी का अध्यक्ष पद छोड़ने या इस्तीफा देने से इनकार कर दिया था। स्थायी समिति के अध्यक्ष गणेश शाह ने कहा कि रविवार को होने वाली स्थायी समिति की बैठक में केंद्रीय कार्यकारिणी समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक की तारीख की घोषणा की जा सकती है जिसमें प्रधानमंत्री ओली के भविष्य पर अंतिम फैसला लिया जाएगा।

संक्षिप्त समाचार

नेतान्याहू पर भ्रष्टाचार के मामले में सुनवाई बहाल

यरूशलम। इसराईली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतान्याहू की भ्रष्टाचार संबंधी अदालती सुनवाई रविवार को बहाल हुई । वह कोरोना वायरस संकट से निपटने के अपने तौर तरीके को लेकर जनता के असंतोष से भी जूझ रहे हैं। नेतान्याहू विभिन्न घोटालों में धोखाधड़ी, विश्वासघात और रिश्वतखोरी के आरोपों से घिरे हैं । उन पर अरबपति मित्रों से शानदार उपहार ग्रहण करने और मीडिया कारोबारियों को अपने और अपने परिवार के लिए अधिक पसंदीदा कवरेज के लिए उन्हें नियामकीय लाभ पहुंचाने का आरोप है। लंबे समय से सत्तासीन नेतान्याहू ने किसी भी गड़गड़ी से इनकार किया है और अपने ऊपर लगे आरोपों को मीडिया द्वारा पीछा किया जाना करार दिया। उन्होंने कहा है कि प्रवर्तन तंत्र भी पक्षपातपूर्ण तरीके से कार्रवाई कर रहा है। सुनवाई मई में शुरू हुई थी। न्यायाधीशों के सामने पेश होने से महज कुछ पहले नेतान्याहू ने अदालत परिसर में मंच पर आकर देश के कानूनी संस्थानों पर अपनी गुस्से का इजहार किया। उनके साथ उनकी पार्टी के सदस्य भी थे। वह रविवार की सुनवाई में पेश होने वाले हैं।

अमेरिकी राष्ट्रपति बनने पर बाइडेन भारत को यूएनएसी का स्थायी सदस्य बनने में मदद करेंगेः वर्मा

वाशिंगटन। भारत में अमेरिका के पूर्व राजदूत रिचर्ड वर्मा ने शनिवार को कहा कि डेमोक्रेट पार्टी के राष्ट्रपति पद के संभावित उम्मीदवार जो बाइडेन अगर नवंबर में होने वाले चुनाव जीत जाते हैं तो वह संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को नया रूप देने में मदद करेंगे ताकि भारत को सुरक्षा परिषद में स्थायी सीट मिल सके। भारत लंबे समय से संयुक्त राष्ट्र तथा सुरक्षा परिषद में कई तरह के सुधार किए जाने पर जोर दे रहा है। उसका कहना है कि इसका स्वरूप वर्तमान वास्तविकताओं को नहीं दर्शाता है और ना ही उसका उचित प्रतिनिधित्व करता है। वर्मा ने कहा, '' इसमें कोई संदेह नहीं है कि उनके (बाइडेन के) नेतृत्व में, वह संयुक्त राष्ट्र जैसी अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को नया रूप देने में मदद करेंगे ताकि भारत संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का स्थायी सदस्य बन सकें। वह एक प्रमुख रक्षा भागीदार के रूप में भी भारत की स्थिति भी मजबूत करेंगे।'' अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस,रूस और चीन इसके पांच स्थायी सदस्य हैं। इलमें केवल चीन ही भारत को यूएनएससी का स्थायी सदस्य बनाने का विरोध करता है। उन्होंने कहा, '' वह (बाइडेन) हमारे नागरिकों को सुरक्षित रखने के लिए भारत के साथ मिलकर काम करेंगे। इसका मतलब है कि सीमा पार आतंकवाद के मामले में और जब उसके (भारत के) पड़ोसी यथास्थिति बदलने की कोशिश करेंगे तो वह भारत के साथ खड़े रहेंगे।''

लुइस के निधन से दुखी हूं- ट्रंप

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन करने वाले सांसद जॉन लुइस के निधन पर शोक व्यक्त किया है। लुइस 80 साल के थे। ट्रंप ने ट्वीट किया, ''मानवाधिकार के पुरोधा जॉन लुइस के निधन की खबर से दुखी हूं। मेलानिया और मेरी संवेदनाएं परिवार के साथ हैं।'' ट्रंप के संवेदना व्यक्त करने से पहले सभी जीवित चार पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपतियों, उपराष्ट्रपति माइक पेंस और बड़ी संख्या में सांसदों ने लुइस के निधन पर शोक व्यक्त कर दिया था। अलबामा के सेल्मा में 50 साल पहले एडमंड पेट्टस ब्रिज पर उनके साथ बुरी तरह मारपीट हुई थी और इस घटना के बाद देश में नागरिक अधिकार आंदोलन ने तेजी पकड़ी थी। ट्रंप और लुइस के बीच वैचारिक मतभेद थे और दोनों ने कई बार सार्वजनिक तौर पर एक दूसरे पर निशाना भी साधा था। ट्रंप के पहली बार राष्ट्रपति चुने जाने के बाद लुइस ने कहा था कि वह ट्रंप को ''वैध राष्ट्रपति'' नहीं मानते। लुइस के निधन पर तत्काल शोक व्यक्त नहीं करने के लिए ट्रंप की आलोचना भी हुई थी। लुइस ने दिसंबर 2019 में कैंसर से पीड़ित होने की घोषणा की थी। लुइस नागरिक अधिकारों के लिए आंदोलन करने वाले 'बिग सिक्स' नागरिक अधिकार कार्यकर्ताओं में से एक थे। आंदोलन करने वाले समूह का नेतृत्व मार्टिन लूथ किंग जूनियर ने किया था।

नाइजीरिया में विस्फोट, 5 बच्चों की मौत

अबुजा। पश्चिमी अफ्रीकी देश नाइजीरिया के उत्तर-पश्चिमी प्रांत कतसिना के एक गांव में शनिवार को हुए विस्फोट में पांच बच्चों की मौत हो गयी जबकि छह अन्य घायल हो गए।

प्रांतीय पुलिस के प्रवक्ता गम्बो इसाह ने एक वक्तव्य जारी कर यह जानकारी दी। वक्तव्य के मुताबिक यह विस्फोट कतसिना में मलूमफाशी स्थानीय सरकारी क्षेत्र के यामम्मा गांव में खेत में हुआ। श्री इसाह के मुताबिक हादसे के समय बच्चे खेत में जानवरों के लिए घास लाने के लिए गए थे। हादसे में घायल हुए छह बच्चे एक पेड़ के नीचे बैठे हुए थे। इस हादसे के पीछे संदिग्ध रूप से बम विस्फोट को जिम्मेदार ठहराया जा रहा है। पुलिस ने हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए जांच शुरू कर दी है।

रियर एडमिरल एम.एस. इकबाल होंगे बांग्लादेश नौसेना के नए प्रमुख

ढाका। रियर एडमिरल मोहम्मद शाहीन इकबाल को बांग्लादेश नौसेना का अगला प्रमुख नियुक्त किया गया है। यह जानकारी रक्षा मंत्रालय ने दी। रियर एडमिरल इकबाल ने पनडुब्बी रोधी युद्ध कला में भारत में प्रशिक्षण प्राप्त किया है। वह अभी सहायक नौसैना प्रमुख के तौर पर कार्यरत हैं। रियर एडमिरल इकबाल, इस महीने सेवानिवृत्त हो रहे वाइस एडमिरल औरंगजेब चौधरी का स्थान लेंगे। रक्षा मंत्रालय की ओर से शनिवार को जारी वक्तव्य में कहा गया कि रियर एडमिरल इकबाल 25 जुलाई को वाइस एडमिरल की रैंक पर पदभार ग्रहण करेंगे। वक्तव्य के अनुसार, वह 24 जुलाई 2023 तक नौसेना प्रमुख के तौर पर सेवा देंगे। रियर एडमिरल इकबाल 1980 में बांग्लादेश नौसेना में शामिल हुए थे और उन्होंने देश और विदेश में कई प्रशिक्षण प्राप्त किए हैं। उन्होंने भारत में पनडुब्बी रोधी युद्ध कला में प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में हिस्सा लिया था। इसके अलावा उन्होंने अमेरिकी नौसेना स्टाफ कालेज से भी स्नातक की डिग्री हासिल की है।

ऑस्ट्रेलिया में बढ़े संक्रमण के मामले, मेलबर्न और विक्टोरिया मास्क लगाना हुआ अनिवार्य

मेलबर्न।

ऑस्ट्रेलिया के विक्टोरिया राज्य में कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में एक दिन की राहत के बाद अगले दिन बड़ी संख्या में संक्रमण के मामले सामने आए। संक्रमण को देखते हुए मेलबर्न और पड़ोसी मिटशेल में मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया गया है। स्वास्थ्य अधिकारियों ने रविवार को पिछले 24 घंटे में संक्रमण के 363 नए मामले दर्ज किए। दो बुजुर्ग पुरुषों और एक महिला की मौत हो जाने से देश में संक्रमण से मरने वालों की संख्या 122 हो गई है। बुधवार तक घर से कसरत के लिए अथवा खरीदारी के लिए निकलने पर लोगों को मास्क लगाना अनिवार्य कर दिया जाएगा। विक्टोरिया के प्रमुख डेनियल एंड्रयू ने कहा कि राज्य सरकार ने 30 लाख मास्क का ऑर्डर दिया है जिसमें से तीन लाख मास्क की पहली खेप इस सप्ताह पहुंच जाएगी। एशिया प्रशांत क्षेत्र की यदि बात की जाए तो चीन के उत्तर पश्चिमी उरुमकी शहर में कोरोना वायरस संक्रमण के 13 नए मामले सामने आए और इसी के साथ शहर में संक्रमण के मामले बढ़ कर 30 हो गए। चीन में विदेश से आए तीन लोगों में संक्रमण पाए जाने के बाद संक्रमण के मामले बढ़ कर 83,660 हो गए। चीन में संक्रमण से 4,634 लोगों की मौत हो चुकी है । चीन की मीडिया के अनुसार उरुमकी शहर में अधिकारियों ने सबवे, बसों और टैक्सियों की संख्या घटा दी है साथ ही कुछ रिहायशी इलाकों को बंद कर दिया गया है। साथ ही लोगों के शहर छोड़ कर जाने पर पाबंदी लगाई गई है।

दक्षिण कोरिया में लगातार दूसरे दिन संक्रमण के 40 से कम मामले सामने आए है। दक्षिण कोरिया में लगातार दूसरे दिन संक्रमण के 40 से कम मामले सामने आए है। कोरिया सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने कहा कि रविवार को 34 नए मामले सामने आने से देश में संक्रमण के मामले 13,745 पर पुहंच गए हैं। देश में संक्रमण से 295 लोगों की मौत हो चुकी है।

स्पेनः जानवरों में फैला कोरोना वायरस, एक लाख ऊदबिलावों को मारने का आदेश

इंटरनेशनल डेस्क।

स्पेन के एक फार्महाऊस में ऊदबिलाव कोरोना वायरस से संक्रमित मिलने पर हड़कंप मच गया है। कोरोना टेस्ट के बाद उन्हें मारने का यह फैसला लिया गया है । अरागॉन प्रांत के इस फार्म में मई के महीने में एक कर्मचारी की पत्नी का कोरोना टेस्ट का परिणाम पॉजिटिव आया था। इसके बाद जब इस महिला के पति और अन्य छह फ़ार्म कर्मचारियों की जांच की गई तो वे सब भी पॉज़ीटिव पाए गए। इन कर्मचारियों के संक्रमित पाए जाने के बाद से फार्म के ऊदबिलावों को अलग रखा गया था और इन पर नजर भी रखी जा रही थी लेकिन 13 जुलाई को एक बार फिर इन ऊदबिलावों का कोरोना टेस्ट किया गया, जिसमें फार्म के करीब 87 फीसदी ऊदबिलाव कोरोना पॉजिटिव पाए गए । अधिकारियों को संदेह है कि कोरोना वायरस पहले एक कमर्चारी के माध्यम से फार्म में पहुंचा और उससे जानवरों को यह संक्रमण हो गया । लेकिन ओलोना ने कहा कि अभी यह पूरी तरह से स्पष्ट नहीं है कि यह वायरस जानवरों से मनुष्यों में और मनुष्यों से जानवरों में फ़ैल सकता है या नहीं। ओलोना ने कहा कि 13 जुलाई को अधिकारियों ने परीक्षण किया जिसमें पता चला था कि 87त्न मिंक संक्रमित मिले थे। इंसानों में इस वायरस को न फैलने और उन्हें बचाने के लिए ही 1 लाख उदबिलावों को मारने का फैसला किया गया है। उन्होंने यह भी कहा कि इस बात की संभावना से भी इंकार नहीं किया जा सकता है कि संक्रमित कर्मचारी की लापरवाही के कारण ही ऊदबिलाव संक्रमित हुए होंगे। अधिकारियों का कहना है कि फ़ार्म के मालिक को फ़ार्म को चलाने के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। उदबिलावों का यह फार्म मैड्रिड शहर के पूर्व में क़रीब 200 किलोमीटर दूर एक गांव में स्थित है। स्पेन के कैटेलोनिया और मैड्रिड के साथ-साथ अरागॉन प्रांत भी कोरोना का हॉटस्पॉट बना हुआ है। यहाँ कोरोना संक्रमण के लगभग अढाई लाख से अधिक मामले मिले हैं और महामारी के शुरू होने से लेकर अभी तक यहां क़रीब 28 हज़ार से ज्यादा मृत्यु हो चुकी है।

दुनिया में तेजी से बढ़ रहा कोरोना संक्रमणः 6 लाख से अधिक मौतें, 100 घंटे में 10 लाख मामलों का बना रिकार्ड

वाशिंगटन। कोरोना वायरस वैश्विक महामारी के कारण विश्वभर में छह लाख से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है जबकि संक्रमितों की संख्या 1.42 करोड़ को पार कर गई है। अमेरिका स्थित जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के शनिवार रात तक के आंकड़ों के अनुसार मृतक संख्या के मामले में अमेरिका शीर्ष पर है। अमेरिका में इस संक्रमण से 1,40,103 लोगों की मौत हो चुकी है। इसके बाद संक्रमण से ब्राजील में 78,772 और ब्रिटेन में 45,358 लोगों की मौत हो चुकी है। जॉन्स हॉप्किन्स विश्वविद्यालय के आंकड़ों के अनुसार दुनिया भर में एक करोड़ 42 लाख लोग इस घातक वायरस से संक्रमित हैं, जिनमें से 37 लाख लोग अमेरिका में है। ब्राजील में 20 लाख और भारत में 10 लाख लोग संक्रमित हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने फिर से संक्रमण के एक दिन में सर्वाधिक 2,59,848 नए मामले दर्ज किए। दुनिया में पिछले 100 घंटे के दौरान कोरोना के 10 लाख से ज्यादा मामले दर्ज होने का रिकॉर्ड सामने आया है 180 देशों में जान गंवाने वालों की संख्या छह लाख के पार चली गई है। विश्व में इस खतरनाक महामारी को मात देकर ठीक होने वालों की संख्या 84.91 लाख से बस कुछ ही ज्यादा है।अमेरिका में वायरस ने सर्वाधिक कहर बरपाया है, जहां मृतकों की कुल संख्या 1.42 लाख पार हो गई है, जबकि संक्रमितों की संख्या 37.71 लाख के पार चली गई है। देश में शनिवार को लगातार दूसरे दिन एक दिन में 70,000 से ज्यादा मामले दर्ज हुए, जबकि 900 की मौत हुई। इसके बावजूद राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वे देश में मास्क पहनने को जरूरी करने का आदेश नहीं देंगे।

6 तरह से हमला करता है कोरोना वायरस, हर संक्रमण की अलग पहचान

लंदन।

पूरी दुनिया कोरोना वायरस से बेहाल है। पिछले 100 घंटे के दौरान कोरोना के 10 लाख से ज्यादा मामले दर्ज होने का रिकॉर्ड सामने आया है और 180 देशों में जान गंवाने वालों की संख्या छह लाख के पार चली गई है। विश्व भर के देशों के वैज्ञानिक कोरोना उपचार के लिए वैक्सीन बनाने में लगे हुए हैं और इस पर कई तरह की रिसर्च जारी हैं। किंग्स कॉलेज लंदन के शोधकर्ताओं ने कोरोना ट्रैकर ऐप से प्राप्त डाटा के विश्लेषण के आधार पर दावा किया है कि कोरोना वायरस मानव शरीर पर 6 तरह से हमला करता है जिस कराण संक्रमितों में अलग-अलग तरह के लक्षण उभरकर सामने आते हैं। यही वजह है कि कोई सामान्य बुखार व सर्दी-जुकाम के बाद ठीक हो जाता है तो किसी की हालत गंभीर हो जाती है।

फ्लू जैसे लक्षण, पर बुखार नहीं

संक्रमितों को सिरदर्द, खांसी, गले में खराश, सीने में दर्द, मांसपेशियों में तनाव और सूंघने की शक्ति कमजोर पड़ने की शिकायत सताती है, लेकिन बुखार नहीं होता।

बुखार के साथ फ्लू जैसे लक्षण

इसमें सिरदर्द, सूंघने की शक्ति कमजोर पड़ने, खांसी, गले में खराश, गला बैठने, भूख घटने या खत्म होने की समस्या के साथ संक्रमित बुखार से भी परेशान रहते हैं।

पाचन तंत्र संबंधी दिक्कतें ज्यादा

इस तरह के संक्रमण में मरीज सिरदर्द, सूंघने की शक्ति कमजोर पड़ने, भूख घटने या खत्म होने, डायरिया, गले में खराश, सीने में दर्द की समस्या से जूझते हैं, पर उन्हें खांसी नहीं होती।

गंभीर स्तर की सुस्ती

कुछ कोरोना संक्रमितों को बुखार, खांसी, सिरदर्द, संघूने की शक्ति कमजोर पड़ने, गला बैठने और सीने में दर्द होने के साथ सुस्ती की समस्या पेश आती है, जो गंभीर रूप ले सकती है।

भ्रम की स्थिति

सिरदर्द, सूंघने की शक्ति कमजोर पड़ने, भूख घटने या खत्म होने, खांसी, बुखार, गला बैठने, गले में खराश, सीने में दर्द, सुस्ती, मांसपेशियों में तनाव और भ्रम की स्थिति जैसे लक्षण दिखते हैं।

पेट दर्द के साथ सांस लेने में तकलीफ

इसमें सिरदर्द, सूंघने की शक्ति कमजोर पड़ने, भूख मिटने, खांसी, बुखार, गला बैठने, गले में खराश, सीने में दर्द, सुस्ती, भ्रम, मांसपेशियों में खिंचाव, सांस लेने में तकलीफ, दस्त, पेटदर्द की शिकायत होती है।

बता दें कि शोधकर्ताओं ने चौथे, पांचवें और छठे तरह के लक्षण से जूझ रहे मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की दर अधिक पाई है। ऐसे मरीजों को कृत्रिम ऑक्सीजन की आपूर्ति करने या वेंटिलेटर पर रखने की जरूरत भी ज्यादा पड़ती है। खांसी, सिरदर्द, सूंघने की शक्ति घटना सबसे आम लक्षण मिले। शोध दल से जुड़े क्लेयर स्टीव्स ने कहा, लक्षणों की गंभीरता वायरस का शिकार होने के पांचवें दिन से ही समझ में आने लगती है। ऐसे में डॉक्टर संक्रमितों के खून में ऑक्सीजन के स्तर पर नजर रख आंक सकते हैं कि वह गंभीर स्थिति में तो नहीं पहुंचेगा। इससे उन्हें सही दिशा में इलाज करने में मदद मिलती है।

Web site : www.krantisamay.com & .in , epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

आईटीआई पास सूरत का शख्स बनाता था नकली टोसिलिजुमैब इंजेक्शन

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद, एक ओर कोरोना संकट के दौर में लोग अपनी और परिवार की जान बचाने की हरसंभव कोशिश कर रहे हैं, दूसरी ओर ऐसे भी लोग हैं जो अपनी जेबें भर रहे हैं। कुछ समय पहले राज्य के खाद्य एवं औषध विभाग ने टोसिलिजुमेब के गोरखधंधे का पर्दाफाश किया थाद्य अब इस इंजेक्शन को लेकर बड़ा खुलासा हुआ है। सूरत में रहनेवाले सोहेल इस्माइल नामक शख्स अपने घर में नकली टोसिलिजुमेब इंजेक्शन बनाता थाद्य खाद्य एवं औषध विभाग के आयुक्त डॉ. एचजी कोशिया के सूरत से टोसिलिजुमेब इंजेक्शन का जो जखीरा पकड़ा गया है, वह नकली है। आईटीआई पास सोहेल इस्माइल अपने घर में सामग्री लाकर स्टीरोइड की मदद से टोसिलिजुमेब इंजेक्शन बनाता था। सूरत में सोहेल इस्माअइल ताई के घर पर छापा मारकर एक फिलींग मशीन, सिलिंग मशीन, कोडिंग मशीन, नकली द्रव्यु पदार्थ, पैकिंग मैटेरियल व मिनी मशीन के साथ करीब 8 लाख की कीमत का माल व मशीनरी बरामद की है। कोसिया ने बताया कि नकली इंजेक्सन स्टीरोइड की मात्रा अधिक पाई गई। नकली इंजेक्शन के कंटेंट के बारे में स्वीट्जरलैंड की रोश कंपनी जांच करेगी। कंपनी ने इंजेक्शन के लिए जापान में प्लांट लगाया गया है। उत्पादन के बाद कंपनी यह इंजेक्शन स्वीट्जरलैंड भेजती है और भारत की सिप्ला कंपनी टोसिलिजुमेब इंजेक्शन स्वीट्जरलैंड से खरीदती है। उन्हा.ने बताया कि यह इंजेक्शन भारत में 30 से 40 हजार रुपए में मिलता है। यह इंजेक्शन मोनोक्रोनल एन्टी बॉडी होता है और मरीज के वजन के मुताबिक उसे दिया जाता है।

गुजरात में 965 नए केसों के साथ कोरोना का आंकड़ा 48000 के पार

24 घंटों में राज्य में 877 लोग ठीक हुए और 20 मरीजों की मौत हुई

क्रांति समय सुरत

अहमदाबाद (एजेसी) गुजरात में पिछले 24 घंटों में कोरोना के 965 नए मामले सामने आए हैं और इसके साथ राज्य में कोरोना का आंकड़ा 48000 को पार कर गया है।

हांलाकि इनमें एक्टिव केसों की संख्या 11412 है और 34882 लोग ठीक हो गए हैं। जबकि अब तक 2147 मरीजों की मौत हो चुकी है।

स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के सबसे अधिक केस सूरत शहर में 206 और जिले में 79 केस दर्ज हुए। जबकि 207 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है।

अहमदाबाद शहर में कोरोना के 186 और जिले में 26 मामले सामने आए है।

जबकि अहमदाबाद शहर और जिले में 167 लोग ठीक हुए।

वहीं वडोदरा शहर में 67 राजकोट शहर में 38, भावनगर शहर में 25, गांधीनगर जिले में 24, मेहसाणा में 22, बनासकतांठा में 21, दाहोद में 19, कच्छ में 19, भरुच में 18, पंचमहल में 16, सुरेन्द्रनगर में 15, पाटन में 14, वलसाड में 14, अमरेली में 13, जूनागढ़ शहर में 13, खेडा में 12, तापी में 12, वडोदरा जिले में 12, नवसारी में 11, राजकोट जिले में 11, भावनगर जिले में 10, साबरकांठा में 10, मोरबी में 9, आणंद में 7, जामनगर शहर में 7, गांधीनगर शहर में 6, महीसागर में 5, अरवल्ली में 4, जामनगर में 3, नर्मदा में 3, बोटाद में 2, गिरसोमनाथ में 2, जूनागढ़ में 2, छोटाउदेपुर में 1 और पोरबंदर में 1 समेत राज्यभर में कुल 965 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुए और 877 लोगों को डिस्चार्ज किया गयां

पिछले 24 घंटों में अहमदाबाद शहर में 6, सूरत शहर और जिले में 9, दाहोद में 2, भावनगर शहर में 1, गिर सोमनाथ में 1 और जामनगर जिले में 1 समेत राज्य में कुल 20 मरीजों की कोरोना से मौत हो गईद्य स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक राज्य में अब तक 536620 टेस्ट किए गए हैं, जिसमें 48441 कोरोना पॉजिटिव केस दर्ज हुएद्य 48441 मामलों में से 34882 लोगों को डिस्चार्ज किया जा चुका है। जबकि 2147 मरीजों की कोरोना से अब तक मौत हो चुकी है। शेष 11412 एक्टिव केसों में 11343 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं और 69 मरीज वेन्टीलेटर पर हैं।

राज्य के विभिन्न जिलों में 396393 लोग कोरन्टाइन हैं, जिसमें 394223 होम कोरन्टाइन और 2156 लोग फैसिलिटी कोरन्टाइन हैं।

अहमदाबाद के बाद राज्य में सूरत में कोरोना का सूरत में तेजी से बढ़ रहा है।

राज्य में कोरोना के कुल दर्ज 48441 मामलों में से आधे मामले यानी 24374 केस इकलौते अहमदाबाद के हैं।

जबकि दूसरे नंबर पर सूरत है, जहां अब तक कोरोना के 9714 केस दर्ज हो चुके हैं। सूरत में कोरोना से अब तक 258 मरीजों की मौत हो चुकी है।

तीसरे नंबर वडोदरा है, जहां 3589 मामले सामने आए और 55 मरीजों की अब तक मौत हो चुकी है। अहमदाबाद, सूरत और वडोदरा के बाद राज्य के अन्य जिलों में भी कोरोना का कहर धीरे धीरे बढ़ने लगा है।

मुख्यमंत्री ने तीन और प्रारंभिक नगर नियोजन योजनाओं को दी मंजूरी

अहमदाबाद (एजेसी) मुख्यमंत्री विजय रूपाणी ने राज्य में सुनियोजित शहरी विकास की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए तीन और प्रारंभिक नगर नियोजन योजना (प्रिलिमिनरी टाउन प्लानिंग– टीपी) को मंजूरी दी है। उन्होंने राजकोट की प्रारंभिक टीपी स्कीम नं 26 (मवड़ी) और अहमदाबाद पूर्व की टीपी 106 (वस्त्राल–रामोल) एवं अहमदाबाद पश्चिम क्षेत्र की टीपी 64 (त्रागड़) को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री द्वारा इन तीनों प्रारंभिक टीपी को मंजूरी देने से सामाजिक–आर्थिक तौर पर कमजोर वर्गों के लोगों के लिए आवास निर्माण के उद्देश्य से कुल 121324 वर्ग मीटर भूमि संबंधित प्राधिकरणों को उपलब्ध होगी। तदनुसार राजकोट की टीपी स्कीम में 59060 वर्ग मीटर, अहमदाबाद की वस्त्राल–रामोल टीपी स्कीम में 40019 वर्ग मीटर और त्रागड़ की टीपी स्कीम में 22245 वर्ग मीटर भूमि ऐसे आवास निर्माण के लिए उपलब्ध होगी। मुख्यमंत्री द्वारा मंजूर की गई राजकोट की टीपी स्कीम नं 26 (मवड़ी) लगभग 125 हेक्टेयर की है और इसके परिणामस्वरूप प्राधिकरण को कुल 67 प्लॉट सार्वजनिक उद्देश्य और बिक्री के लिए मिलेंगे। इन प्लॉटों का कुल क्षेत्रफल 223947 वर्ग मीटर है। इस टीपी में बिक्री के उद्देश्य के लिए 91780 वर्ग मीटर भूमि प्राधिकरण को प्राप्त होगी। रूपाणी ने एक ही दिन में अहमदाबाद की दो टीपी स्कीम को मंजूरी देकर पारदर्शी और गतिशील प्रशासन का उदाहरण पेश किया है। उन्होंने 2020 में अब तक 18 ड्राफ्ट टीपी स्कीम, 14 प्रारंभिक और 4 अंतिम मिलाकर कुल 36 नगर नियोजन योजनाओं को मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री द्वारा मंजूर की गई तीन टीपी स्कीम राजकोट की प्रारंभिक टीपी स्कीम नं 26 (मवड़ी), अहमदाबाद पूर्व की टीपी 106 (वस्त्राल–रामोल) और अहमदाबाद पश्चिम की टीपी 64 (त्रागड़) को मिलकार प्राधिकरण को कुल 88761 वर्ग मीटर भूमि सार्वजनिक सुविधाओं के लिए मिलेगी। अहमदाबाद पूर्व की 125 हेक्टेयर क्षेत्रफल की टीपी–106 (वस्त्राल–रामोल) के अंतर्गत प्राधिकरण को 248405 वर्ग मीटर के कुल 54 प्लॉट सार्वजनिक उद्देश्य और बिक्री के लिए मिलेंगे। अहमदाबाद पश्चिम की 70 हेक्टेयर क्षेत्रफल की टीपी– 64 त्रागड़ के अंतर्गत प्राधिकरण को 19 प्लाट की कुल 112743 वर्ग मीटर भूमि मिलेगी, जिसमें से सार्वजनिक उद्देश्य और बिक्री के लिए 53484 वर्ग मीटर भूमि प्राप्त होगी। इन तीनों टीपी में सार्वजनिक सुविधा के उद्देश्य से जो 88761 वर्ग मीटर भूमि संबंधित प्राधिकरणों को प्राप्त होगी उसमें राजकोट में 38157 वर्ग मीटर, वस्त्राल–रामोल में 40780 वर्ग मीटर और त्रागड़ में 9824 वर्ग मीटर जमीन शामिल है। इतना ही नहीं, इन तीनों टीपी स्कीम के अंतर्गत 115399 वर्ग मीटर भूमि बाग–बगीचा और खुले मैदान के उद्देश्य से प्राधिकरण को उपलब्ध होगी। जिसके अंतर्गत राजकोट (मवड़ी) में 34950 वर्ग मीटर, वस्त्राल रामोल में 53259 वर्ग मीटर और त्रागड़ में 27190 वर्ग मीटर भूमि प्राधिकरण को मिलेगी। मुख्यमंत्री ने मंजूर हुई प्रारंभिक टीपी के अमलीकरण में गति लाने के लिए प्राधिकरणों से तथा टीपी के कार्य में तेजी लाने के लिए नगर नियोजन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं।

वडोदरा में भाजपा के एक और नेता की कोरोना से मौत

वडोदरा शहर में कोरोना से एक और भाजपा नेता की मौत हो गई। भाजपा के उपाध्यक्ष महेश शर्मा की कोरोना रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद उनका शहर के वाघोडिया रोड स्थित एक निजी अस्पताल में उपचार चल रहा था। महेश शर्मा की पत्नी और पुत्र को भी कोरोना हुआ था और दोनों बीते दिन ही अस्पताल से डिस्चार्ज किया गया थां लेकिन महेश शर्मा कोरोना से जंग हार गए। बता दें कि कुछ दिन पहले वडोदरा महानगर पालिका की स्थायी समिति के पूर्व चेयरमैन योगन्द्र सुखडिया की कोरोना से मौत हो गई थी ।अब महेश शर्मा की मौत से भाजपा में शोक व्याप्त हैं। कोरोना का कहर धीरे धीरे वडोदरा में बढ़ता जा रहा है। वडोदरा में अब तक कोरोना के 3510 केस दर्ज

हो चुके हैं और 55 लोगों की मौत हो चुकी है। पिछले एक महीने में शहर के मंगल बाजार के तीन व्यापारियों की कोरोना से मौत हो गई और 12 व्यापारी संक्रमित हैं। मंगल बाजार के खंडेलवाल होम डेकोर शो रूम के संचालक समेत परिवार के 11 सदस्यों की रिपोर्ट कोरोना पॉजिटिव आई थी। निजी अस्पताल में उपचार के बाद पूरा परिवार होम कोरन्टाइन है।

गुजरात में पहली बार बनाया गया कोरोना के मृतकों के लिए स्मशान घर

अहमदाबाद दक्षिण गुजरात में कोरोना के मृतकों के लिए अलग से स्मशान घर बनाया गया है। यह स्मशान घर भरुच जिले में बनाया गया हैद्य प्रशासन की ओर से गोल्डन ब्रिज के निकट नर्मदा के किनारे स्मशान बनाकर कोविड के मृतकों के अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई है। भरुच जिले में कोरोना के मृतकों के अंतिम संस्कार को लेकर बार बार विवाद को देखते प्रशासन ने सरकारी जमीन पर खास कोविड के मृतकों के लिए अलग से स्मशान बनाने का फैसला किया है।

अंकलेश्वर में गोल्डन ब्रिज के निकट नर्मदा नदी के किनारे पक्के प्लेटफार्म पर लोहे की चद्दर का शेड बनाया गया है, जहां कोविड के मृतकों का अंतिम संस्कार किया जाएगा। साथ नर्मदा नदी के किनारे भी अंतिम संस्कार की व्यवस्था की गई है।

हाल ही में अंकलेश्वर के निजी अस्पताल में बीते दिन एक निवृत्त पुलिसकर्मी की उपचार के दौरान कोरोना से मौत हो गई थी।

मौत के बाद पूर्व पुलिसकर्मी के शव को अंतिम संस्कार के लिए भरुच के दशाश्वमेघ घाट पर ले जाया गया था। जहां स्थानीय लोगों की भीड़ जमा हो गई अंतिम संस्कार करने से रोक दिया था।

काफी समझाने के बावजूद लोगों के नहीं मानने पर शव को कोविड 19 अस्पताल में वापस भेज दिया गया।

दूसरे दिन भी लोगों के नहीं मानने पर नर्मदा नदी के किनारे मृतक का अंतिम संस्कार का फैसला किया गया।

पुलिस की सुरक्षा में शव को नर्मदा नदी के किनारे ले जाया गया। लेकिन वहां भी लोगों ने अंतिम संस्कार का विरोध किया। आखिरकार पुलिस की कड़ी कार्रवाई के बाद मृतक के अंतिम संस्कार किए गए।

अहमदाबाद मण्डल पर कोरोना वॉरियर्स का सम्मान

अहमदाबाद , पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मंडल द्वारा कोरोना संक्रमण(कोविड–19) के विकट समय में उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेलवे के अधिकारियों व कर्मचारियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी सुनील बिश्नोई ने बताया कि कार्मिक विभाग द्वारा आयोजित इस सम्मान समारोह में मण्डल के 1000 कर्मचारियों को कोरोना महामारी के दौरान रेलवे कर्मियों में जागरूकता उत्पन्न करने एवं उत्कृष्ट कार्य निष्पादन के लिए मंडल रेल प्रबंधक दीपक कुमार झा ने प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त मंडल के सभी 17 हजार रेल कर्मियों को सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया गया।लॉकडाउन व इस वैश्विक महामारी के दौरान मंडल के निष्ठावान रेल कर्मियों द्वारा सुरक्षित ट्रेन संचालन, अधिक से अधिक श्रमिक ट्रेनों का संचालन तथा अपने सामाजिक दायित्वों का निर्वाह करते हुए निसहाय व जरूरतमंदों को भोजन पैकेट व राशन किट का वितरण, स्टेशन पर कुलियों को जरूरतमंद सामान का वितरण किया गया तथा इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग व मास्क वितरण तथा इस बीमारी की रोकथाम के लिए भारत सरकार द्वारा जारी निर्देशों के सतत पालन के प्रति रेल परिवारों एवम् जनजागरण अभियान को सफलतापूर्वक संचालित किया जा रहा है। इस दौरान अपर मंडल रेल प्रबंधक परिमल शिंदे व सभी विभागों के वरिष्ठ शाखा अधिकारी भी उपस्थित थे।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर, सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत
गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)